WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वजन घटाने के बाद अब बेबी डॉल बनने की तैयारी में हैं शहनाज गिल

वर्षः 01 अंक : 285 | लखनऊ, सोमवार, 05 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

हाथरस गैंगरेप : सपा के पांच नेताओं को पीड़ित के परिवार से मिलने की इजाजत

रालोद उपाध्यक्ष भी परिजन से मिले, सपा-रालोद कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज

नयी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के हाथरस में गैंगरेप पीड़ित का गांव बूलगढ़ी सियासी पार्टियों के लिए अखाड़ा बन चुका है। रविवार को समाजवादी पार्टी का 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बूलगढ़ी गांव पहुंचा। पुलिस ने सपा कार्यकर्ताओं को गांव के बाहर ही बैरिकेड लगाकर रोक दिया गया। सपा नेता और पुलिस आमने-सामने आ गए। बातचीत के बाद पुलिस ने दो पूर्व सांसदों धर्मेंद्र यादव, रामजी लाल सुमन समेत 5 लोगों को पीड़ित के परिवार से मिलने की इजाजत दी। इससे पहले राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयंत चौधरी भी पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। रालोद और सपा कार्यकर्ताओं के हंगामा करने पर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। वहीं, भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद भी ससनी (हाथरस का कस्बा) से बूलगढ़ी गांव के लिए पैदल निकले हैं। ससनी में पुलिस ने उनके काफिले को रोक दिया था। इसके बाद वे और उनके समर्थक आगरा-अलीगढ़ हाईवे से होते हुए बूलगढ़ी के लिए निकले। योगी सरकार की तरफ से गठित एसआईटी पीड़ित परिवार का बयान दर्ज करने के लिए बूलगढ़ी पहुंचे। टीम की अगुआई कर रहे गृह सचिव भगवान स्वरूप 7 दिन के अंदर अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपेंगे। अभी तक पीड़ित की मां, भाई के बयान दर्ज हो चुके हैं। शनिवार रात करीब 10 बजे एसआईटी परिवार के बीच जांच के लिए पहुंची थी, लेकिन पिता की तबीयत ठीक नहीं होने के कारण बयान दर्ज नहीं हो सके थे। इस बीच, परिवार ने मांग की है कि इस मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की देख रेख में की जाए। एसपी विनीत जायसवाल ने सुबह घटनास्थल पर क्राइम सीन क्रिएट किया। इसके बाद पीड़ित के गांव पहुंचे। इसके अलावा, डीएसपी और अन्य पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई की गई थी।

हाथरस मामले पर बोले योगी आदित्यनाथ

जिसे विकास अच्छा नहीं लग रहा वे जातीय दंगा फैलाना चाहते हैं

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के हाथरस में दलित युवती के साथ गैंगरेप और हत्या के मामले को लेकर सियासी बवाल मचा हुआ है। केस को लेकर यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार विपक्षी दलों के निशाने पर है। शनिवार को मामले में सीबीआई जांच की सिफारिश के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले पर राजनीति करने को लेकर विरोधियों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने विपक्षी दलों पर जातीय दंगा भड़काने की साजिश रचने का आरोप लगाया और कहा कि वे प्रदेश में विकास रोकना चाहते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, जिसे विकास अच्छा नहीं लग रहा, वे लोग देश में और प्रदेश में भी जातीय दंगा भड़काना चाहते हैं-सांप्रदायिक दंगा भड़काना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस दंगे की आड़ में (उत्तर प्रदेश में) विकास रुकेगा और इसकी आड़ में उन्हें अपनी रोटियां सेंकने का अवसर मिलेगा, इसलिए वे नित नए षड्यंत्र करते रहते हैं। सीएम ने कहा कि इन षड्यंत्रों के प्रति पूरी तरह से आगाह होते हुए भी हमें इस विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। बता दें कि हाथरस में युवती के साथ गैंगरेप और उसकी हत्या के बाद पुलिस की कार्रवाईयों पर सवाल उठाए गए। पीड़िता के शव को जबरन जलाए जाने के मामले को लेकर विपक्षी दलों के अलावा बीजेपी के अंदर से भी नेताओं ने योगी सरकार से सवाल किए। पीड़िता के परिवार से मिलने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी शनिवार को हाथरस भी पहुंचे,जिसे लेकर खूब बवाल मचा।

एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर पटना से लेकर दिल्ली तक मैराथन बैठक जारी

पटना, एजेंसी। एनडीए में सीटों के बंटवारे का औपचारिक ऐलान रविवार को भी नहीं हो सका। कई दिनों की तर्ज पर जदयू व भाजपा में सीट व उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए रविवार को भी मैराथन बैठक जारी रही। पटना में जहां जदयू अध्यक्ष सीएम नीतीश कुमार के आवास पर पार्टी की कोर कमेटि की बैठक हुई तो भाजपा की बैठक दिल्ली में अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर हुई, जिसमें बिहार भाजपा के नेता शामिल हुए।

संभावना जताई जा रही है कि अब सोमवार को ही एनडीए की ओर से सीटों के साथ ही उम्मीदवारों के नामों का औपचारिक ऐलान किया जाएगा। वैसे राजनीतिक गलियारे में यह भी खबर तैरती रही कि एनडीए के घटक दलों ने अपने-अपने कोटे की सीट व उम्मीदवारों के नामों का ऐलान भले ही नहीं किया लेकिन दलों की ओर से उन उम्मीदवारों को फोन जाने लगे जिन्हें पार्टी ने इस चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। चूंकि आठ अक्टूबर को ही पहले चरण के नामांकन की अंतिम तिथि है। नामांकन के लिए मात्र चार दिन शेष रहने के कारण ही पार्टियों ने फोन कर चयनित उम्मीदवारों को फोन कर दिया ताकि वे नामांकन की तैयारी कर सकें। पटना में जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार के आवास पर कोर कमेटि की बैठक में विस अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी, संगठन महासचिव आरसीपी सिंह, पूर्व मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिहं और ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव जुटे। घंटों बैठक के बाद जदयू ने अपने कोटे की अधिकतर सीटों पर उम्मीदवारों के नाम तय किए।

बिहार विधानसभा चुनाव में दो खर्च पर्यवेक्षक नियुक्त

नयी दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय राजस्व सेवा के दो सेवानिवृत अधिकारियों सर्वश्री मधु महाजन और बी आर बालाकृष्णन को विशेष खर्च पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। आयोग की ओर से रविवार को यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री मधु महाजन 1982 बैच के भारतीय राजस्व सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं जबकि श्री बालाकृष्णन 1983 बैच के भारतीय राजस्व सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। आयोग के अनुसार यह दोनों अधिकारी सी विजील और आयोग की हेल्पलाइन 1950 पर चुनाव में नगदी शराब मुफ्त के सामान आदि के प्रलोभन दिए जाने की शिकायतों की जांच करेंगे और उस पर अपनी रिपोर्ट आयोग के पेश करेंगे।

बिहार चुनाव से पहले एनडीए में दरार

लोजपा नीतीश कुमार के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी, पर भाजपा के साथ गठबंधन को तैयार

नयी दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए में दरार पड़ गई है। लोजपा ने जदयू चीफ नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। यह फैसला रविवार को दिल्ली में हुई पार्टी की संसदीय दल की बैठक में लिया गया। लोजपा एनडीए में मनचाही संख्या में सीट न मिलने से नाराज है।

पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि भाजपा के साथ कुछ सीटों पर लोजपा की फ्रेंडली फाइट होगी। पर पार्टी उन सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार जरूर उतारेगी, जहां जदयू के प्रत्याशी होंगे। हालांकि, पार्टी भाजपा के साथ गठबंधन को तैयार है। चिराग पासवान ने इस संबंध में एक रिजोल्यूशन भी पास किया और कहा कि पार्टी के विधायक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मजबूत करने का काम करते रहेंगे। प्रस्ताव से पार्टी ने यह दिखाने की कोशिश की है कि अगर चुनाव बाद जरूरत हुई तो लोजपा और भाजपा मिलकर बिहार में सरकार बना सकती हैं। पार्टी के प्रधान महासचिव अब्दुल खालिक ने कहा कि राज्य स्तर पर और विधानसभा चुनाव में गठबंधन में मौजूद जदयू से वैचारिक मतभेदों के कारण बिहार में लोजपा ने अलग चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। कई सीटों पर जदयू के साथ वैचारिक लड़ाई हो सकती है ताकि उन सीटों पर जनता फैसला कर सके कि कौन-सा प्रत्याशी बिहार के हित में बेहतर है। लोजपा 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' विजन डॉक्यूमेंट लागू करना चाहती थी, इस पर समय रहते सहमति नहीं बन पाई। लोकसभा में हमारा भाजपा के साथ मजबूत गठबंधन है। बिहार में भी हम चाहते थे कि वैसे ही चुनाव लड़ें। लोजपा और भाजपा में कोई कटुता नहीं है। चुनाव नतीजे के बाद लोजपा के जीते हुए विधायक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ रहकर भाजपा-लोजपा सरकार बनाएंगे। लोजपा का हर विधायक भाजपा के नेतृत्व में बिहार को फर्स्ट बनाने का काम करेगा। सीट शेयरिंग पर लोजपा के अड़ंगे के चलते एनडीए में स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही थी। अब जब लोजपा ने खुद ही अलग होने का फैसला कर लिया है तो भाजपा और जदयू के लिए आपस में सीटों का बंटवारा आसान हो गया है। सूत्रों के अनुसार जदयू और भाजपा ने आधी-आधी सीटें बांटने का फैसला किया है। विधानसभा की 243 सीट में जदयू और भाजपा 119 -119 सीट पर अपने प्रत्याशी उतारेंगे। बाकी बची 5 सीटें जीतनराम मांझी की हम को मिलेंगी।

केजरीवाल सरकार का फैसला

दिल्ली में 31 अक्तूबर तक बंद रहेंगे स्कूल

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना का कहर अभी थमा नहीं है। देश में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 65.49 लाख हो गया है। राजधानी दिल्ली में कोरोना मरीजों की संख्या 25,234 हो गई है। वहीं कोरोना के कहर को देखते हुए केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में 31 अक्तूबर तक स्कूल बंद रखने का फैसला किया है। उप-मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को इसकी घोषणा की। दरअसल केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को 15 अक्तूबर के बाद स्कूलों को खोलने की छूट दी है। केंद्र की गाइडलाइन के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि दिल्ली के स्कूल भी खुल सकते हैं। हालांकि केजरीवाल सरकार ने 18 सितंबर को जारी आदेश में 5 अक्तूबर तक के लिए स्कूल बंद रखने को कहा था। इस प्रतिबंध को अब 31 अक्तूबर तक के लिए बढ़ा दिया गया है। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में स्कूल बंद रखने का फैसला जारी रहेगा। दिल्ली सरकार ने 31 अक्तूबर तक सभी स्कूल बंद रखने के निर्देश दिए हैं। ऑर्डर जल्द जारी हो जाएगा। बता दें कि हाल ही में हुए एक सर्वे में यह बात सामने आई थी कि कोरोना के खतरे को देखते हुए पैरेंट्स अभी बच्चों को स्कूल नहीं भेजना चाहते हैं। सर्वे में 71 फीसदी पैरेंट्स ने कहा कि वे अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजेंगे।

जिस दिन सत्ता में आए,उस दिन कूड़ेदान में फेंक देंगे कृषि कानून: राहुल गांधी

मोगा, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कृषि कानूनों को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने रविवार को पंजाब के मोगा में खेती बचाओ यात्रा के दौरान अहम ऐलान किया। राहुल गांधी ने कहा कि सत्ता में आते ही तीनों कानूनों को कूड़ेदान में फेंक देंगे। राहुल गांधी ने मोगा में कहा, मैं आपको गारंटी देता हूं कि जिस दिन कांग्रेस पार्टी सत्ता में आती है, हम तीनों काले कानूनों को खत्म कर देंगे और उसे कूड़ेदान में फेंक देंगे। राहुल गांधी ने कहा कि अगर किसान इन कानूनों से खुश हैं तो वे देशभर में विरोध प्रदर्शन क्यों कर रहे हैं? पंजाब में सभी किसान विरोध क्यों कर रहे हैं। राहुल गांधी ने शनिवार को हाथरस की यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश में था, जहां पर एक बेटी की हत्या कर दी गई। जिन्होंने उसे मारा, उसके खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया गया। परिवार जिसकी बेटी की हत्या हुई, उसी को घर में बंद कर दिया गया। डीएम और सीएम ने धमकी दी। भारत में ये हालात हैं। अपराध करने वालों को कुछ नहीं होता है, लेकिन पीड़ित के खिलाफ ही कार्रवाई कर दी जाती है। राहुल गांधी रविवार दोपहर मोगा पहुंचे थे। वह आज से शुरू हुई तीन दिवसीय ट्रैक्टर रैलियों का नेतृत्व कर रहे हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह, कांग्रेस महासचिव एवं पंजाब मामलों के प्रभारी हरीश रावत, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष सुनील जाखड़, राय के वित्तमंत्री मनप्रीत सिंह बादल और अन्य नेता भी रैली में शामिल होने के लिए मोगा पहुंचे। खेती बचाओ यात्रा के नाम से निकाली जा रही ट्रैक्टर रैलियां करीब 50 किलोमीटर से अधिक दूरी तय करेगी और विभिन्न जिलों तथा निर्वाचन क्षेत्रों से गुजरेंगी। उल्लेखनीय है कि नए कृषि कानूनों का पंजाब के किसान विरोध कर रहे हैं।

15 अक्तूबर से चलेंगी पूजा स्पेशल ट्रेनें

गोरखपुर, एजेंसी। रेलयात्रियों के लिए राहतभरी खबर है। अधिक से अधिक यात्रियों को बर्थ उपलब्ध कराने और त्योहार में घर आने-जाने के लिए रेल प्रशासन 15 अक्तूबर से पांच सुपरफास्ट गाड़ियां चलाने जा रहा है। जल्द ही विस्तार से इसका टाइम टेबल जारी कर दी जाएगा। 15 अक्तूबर से जिन गाड़ियों को चलाने का प्रस्ताव है, उनमें जम्मूतवी, मुम्बई के लिए दादर, त्रिवेंद्रम के लिए रासीसागर, दुर्ग के लिए छपरा-दुर्ग सारनाथ और ओखा के लिए ओखा एक्सप्रेस शामिल हैं। इन सभी गाड़ियों पर सभी रेलवे की सहमति मिल गई है। बस अंतिम रूप से टाइम टेबल जारी होना है। ये गाड़ियां छठ के बाद तक यानि 30 नवम्बर तक चलेंगी। अगले सप्ताह से ट्रेनों की बुकिंग भी शुरू हो जाने की उम्मीद है। दिल्ली हो या मुम्बई। इन दोनों शहरों के लिए लगभग सभी गाड़ियां शुरू हो चुकी हैं। दिल्ली की बात करें तो गोरखधाम, हमसफर, वैशाली, सम्पर्कक्रांति, सप्तक्रांति, सत्याग्रह एक्सप्रेस चल रही हैं।

जम्मू-कश्मीर में सैनिकों की हिफाजत और तनाव कम करते हैं कुत्ते

शोपियां, एजेंसी। कश्मीर में तैनात 44वीं राष्ट्रीय राइफल के जवानों के लिए कुत्ते सबसे अच्छे दोस्तों में से हैं क्योंकि वे खतरे और तनाव दोनों को दूर रखने का काम करते हैं। दिन भर गश्त लगाने के बाद जवान जब लौटते हैं तब लैब्राडोर प्रजाति के रॉश के साथ खेलकर उन्हें ऊर्जा मिलती है।

राष्ट्रीय राइफल (आरआर) के जवानों के साथ रॉश समेत छह कुत्ते देश को सुरक्षित रखने के लिए दिन रात मेहनत करते हैं। बल की इकाई के साथ रॉश, तापी और वलायड नामक कुत्ते दक्षिण कश्मीर के संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी रखते हैं जिनमें पुलवामा का लासीपुरा, इमाम साहब और शोपियां शामिल हैं। जवानों के साथ मिलकर ये कुत्ते, आईईडी विस्फोटकों का पता लगाने, हिंसक भीड़ का पीछा करने और फरार आतंकवादियों का पता लगाने जैसे काम को बखूबी अंजाम देते हैं। 44वीं आरआर के प्रमुख कर्नल ए के सिंह के अनुसार कुत्तों के दल ने आतंकवाद रोधी कई अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और कई ऐसी घटनाओं को टालने में सफलता पाई है जिनमें सुरक्षा बलों के जवानों के लिए जान का खतरा हो सकता था।

कर्नल सिंह ने कहा कि रॉश बल के लिए एक सेलिब्रिटी की तरह है क्योंकि उसने पिछले साल हिजबुल मुजाहिदीन के एक वांछित आतंकवादी को पकड़ने में सहायता की थी। उन्होंने कहा कि आतंकवादी मुठभेड़ के स्थान से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर छुपा था जिसे रॉश ने पकड़वाया था। घटना को याद करते हुए कर्नल सिंह ने कहा कि शोपियां में रात को द्रगड़ गांव में मुठभेड़ हुई थी और सुरक्षा बलों को न तो आतंकवादियों की संख्या ज्ञात थी न उनकी सटीक स्थिति की जानकारी थी। कर्नल सिंह ने कहा कि सुबह एक खोजी दस्ते ने दो आतंकवादियों की पहचान की और खून के निशान देखे। हमने तत्काल रॉश को काम पर लगाया और खोज शुरू की। उसने गंध पकड़ ली थी।

हाथरस गैंगरेप: कमरे में कैद रहा पीड़ित परिवार

नयी दिल्ली, एजेंसी। हाथरस में हुए कथित गैंगरेप के बीस दिन बाद और पीड़ित का शव जलाए जाने के चार दिन बाद अब गांव और परिवार का माहौल बदला हुआ है। शनिवार को दो दिन के बैन के बाद गांव से लॉकडाउन हटा लिया गया और मीडिया को गांव में जाने की अनुमति दे दी गई। कैमरामैन और रिपोर्टर भागते-दौड़ते, हांफते-हांफते जब पीड़ित के घर पहुंचे तो परिजन बात करने के लिए बहुत उत्सुक नहीं दिखे। अब तक मीडिया से खुलकर बात करता रहा परिवार कुछ असमंजस में, कुछ गुमसुम नजर आया। उत्तर प्रदेश के डीजीपी एचसी अवस्थी और अतिरिक्त गृह सचिव अवनीश अवस्थी पीड़ित परिवार से बात करने पहुंचे। पीड़ित की मां ने धीमी आवाज में उन्हें फिर से वही बातें बताईं जो वो बीते चार दिनों से बार-बार दोहराती रही हैं। अवनीश अवस्थी ने अपनी डायरी में बिंदुवार उनकी मांगों को नोट किया और इंसाफ का भरोसा देकर चले गए। यूपी सरकार के शीर्ष अधिकारियों के जाने के बाद परिजन से जब मैंने पूछा कि क्या वो संतुष्ट हैं तो पीड़ित की भाभी ने कहा, 'वो कोई पानी की बौछार नहीं डाल गए कि हम एकदम संतुष्ट हो जाएं। या हम सरकार से भीख नहीं मांग रहे हैं कि इतने पैसे दे दो और हम संतुष्ट हो जाएं। हमने अपने सवाल रखे हैं और हम उनका जवाब चाहते हैं।

कोरोना देश में: स्वास्थ्य मंत्री बोले

जुलाई 2021 तक देश के 25 करोड़ लोगों तक पहुंचेगी वैक्सीन

40 से 50 करोड़ डोज बनाने पर फोकस, अब तक 65.53 लाख मरीज

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार देश के हर एक नागरिक तक वैक्सीन पहुंचाने की तैयारियां कर रही है। इस पर एक हाई लेवल कमेटी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि जुलाई 2021 तक 20-25 करोड़ भारतीयों तक कोविड-19 वैक्सीन पहुंचाई जा सके। इसके लिए हमारा फोकस है कि हम तब तक वैक्सीन की 40 से 50 करोड़ डोज हासिल कर सकें। इसकी प्लानिंग पर काम चल रहा है। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि वैक्सीन तैयार होने के बाद, टीकाकरण का काम होगा। हेल्थ मिनिस्ट्री इसके लिए एक फॉर्म तैयार कर रही है। इसमें सभी स्टेट ऐसे लोगों की डिटेल्स देंगे, जिन्हें वैक्सीन की पहले जरूरत है। खासतौर पर कोविड-19 के मैनेजमेंट में लगे हेल्थ वर्कर्स, पुलिस स्टाफ आदि शामिल हैं। अक्टूबर तक इसकी प्लानिंग पर काम हो जाएगा। वैक्सीन के स्टोरेज के लिए स्टेट से कोल्ड चेन के अलावा वैक्सीन स्टोरेज और डिस्ट्रीब्यूशन से जुड़ी जानकारी भी मांगी गई है। देश में अब तक 65 लाख 53 हजार केस आ चुके हैं। इनमें 55 लाख 9 हजार लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 9 लाख 37 हजार मरीजों का इलाज चल रहा है। देश में कोरोना के एक्टिव केस में फिर एक बार गिरावट दर्ज की गई है। शनिवार को 75 हजार 479 केस आए, 81 हजार 655 मरीज ठीक हो गए और 937 मरीजों की मौत हो गई, इस तरह एक्टिव केस में 7116 की कमी आई। देश में कोरोना से हो रही मौत की औसत दर 1.6त है। इनमें पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और पुडुचेरी में यह 2-3 प्रतिशत है। मौत की दर सबसे ज्यादा पंजाब में 3 प्रतिशत है। इसके बाद महाराष्ट्र में 2.6 प्रतिशत, गुजरात में 2.5 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और पुडुचेरी में यह 1.9 प्रशित, जबकि मध्यप्रदेश में 1.8 प्रतिशत है। झारखंड, छत्तीसगढ़, मेघालय, आंध्र प्रदेश, मणिपुर, तेलंगाना, बिहार, ओडिशा, असम, केरल, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली और मिजोरम में यह एक फीसदी से भी कम है।

हाथरस पुलिस का एक और झूठ उजागर

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने हाथरस पुलिस द्वारा पीडिता के नाम व पहचान के सार्वजनिक होने के मामले में कोई कार्यवाही नहीं करने तथा झूठ बोलने का गंभीर आरोप लगाया है। नूतन ने कहा कि उन्होंने 29 सितम्बर 2020 को सोशल साइट्स पर पीडिता, फोटो, विडियो आदि प्रसारित किये जाने तथा उसके नाम से विभिन्न हैशटैग चलाये जाने के मामले में थाना चंदपा, हाथरस को शिकायत भेज कर एफआईआर दर्ज करने तथा इन्हें सोशल मीडिया एवं इन्टरनेट से अविलंब हटवाये जाने की मांग की थी. उन्होंने कहा था कि धारा 228ए आईपीसी के अनुसार रेप पीडिता की पहचान का प्रकटीकरण दंडनीय अपराध है तथा सुप्रीम कोर्ट ने भी निपुण सक्सेना केस में स्पष्ट कर दिया था कि किसी भी स्थिति में रेप पीडिता की पहचान नहीं उजागर की जाये। कोई कार्यवाही नहीं होने पर उन्होंने 30 सितम्बर को दुबारा इस संबंध में शिकायत भेजी लेकिन हाथरस पुलिस ने आज तक इसपर कोई कार्यवाही नहीं की है।

कोविड संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए बचाव और उपचार की बेहतर व्यवस्था जारी रखें: योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में कोविड-19 के संक्रमण के मामलों में पिछले 17 दिनों में 22 हजार कोविड पॉजिटिव के एक्टिव केस कम होने पर संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए बचाव और उपचार की बेहतर व्यवस्था जारी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि कोविड-19 की रिकवरी दर में वृद्धि के लिए तेजी से प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के अधिक मामलों वाले जनपदों में विशेष ध्यान दिया जाए। सबसे पहले प्रतिदिन 100 से अधिक मामले वाले जनपदों में जियोग्राफिकल मैपिंग कराकर क्लस्टर की पहचान की जाए। दूसरे चरण में 50 से अधिक मामले वाले जनपदों में यह व्यवस्था लागू की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिन्हित किए गए

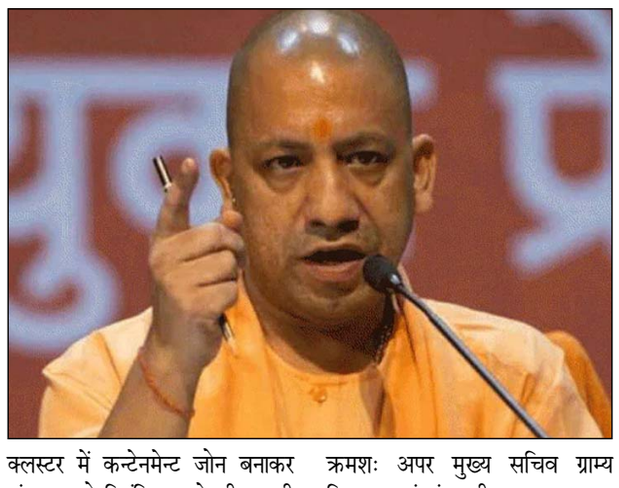

क्लस्टर में कन्टेनमेन्ट जोन बनाकर संक्रमण को नियंत्रित करने की प्रभावी कार्यवाही की जाए। इन क्लस्टर्स में प्रत्येक व्यक्ति की मेडिकल टेस्टिंग की जाए। उन्होंने कन्टेनमेन्ट जोन में होम डिलीवरी व्यवस्था के माध्यम से आवश्यक सामग्री की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने जनपद लखनऊ और कानपुर नगर के नोडल अधिकारी क्रमशः अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज तथा प्रमुख सचिव स्वास्थ्य से स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए संक्रमण की रोकथाम के लिए पूरी तेजी से कार्यवाही जारी रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों के साथ-साथ अस्पताल में भर्ती रोगियों से भी सी0एम0 हेल्पलाइन के माध्यम से कुशलक्षेम लिए जाने की व्यवस्था जारी रखी जाए। इससे लोगों का मनोबल बढ़ता है और जन विश्वास में वृद्धि भी होती है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण से सफलतापूर्वक उपचारित व्यक्तियों के लिए अपनाई गई चिकित्सा व्यवस्था का निरन्तर गहन अध्ययन किया जाए। इससे अन्य संक्रमित लोगों को उपचारित करने में मदद मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संवाद के माध्यम से बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान सम्भव है। इसलिए सभी समस्याओं का समाधान संवाद बनाकर किया जाना चाहिए। उन्होंने पुलिस विभाग को बालिकाओं,महिलाओं से जुड़े मामलों तथा अनुसूचित जाति,जनजाति से जुड़े मामलों में पूरी संवेदनशीलता और तत्परता बरतने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने धान क्रय केन्द्रों की व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि एम0एस0पी0 से कम पर खरीद न हो। किसानों को धान सुखाकर एवं साफ करके खरीद केन्द्र पर लाने हेतु जागरूक किया जाए। इस अवसर पर मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव एम0एस0एम0ई0 एवं सूचना नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा डॉ0 रजनीश दुबे, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस0पी0 गोयल, अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आलोक कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव पशुपालन भुवनेश कुमार, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य आलोक कुमार, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, राहत आयुक्त संजय गोयल, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने नसीब पठान के निधन पर शोक व्यक्त किया

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद के पूर्व सदस्य नसीब पठान के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। नसीब पठान का कोरोना की बीमारी से लड़ते हुये मेदान्ता हास्पिटल में उन्होंने अंतिम साँस ली।

रेहड़ी दुकानों एवं रिक्शाचालकों को मास्क वितरण

लखनऊ, संवाददाता। देश भर में कोरोना से बचाव एवं संक्रमण को रोकने के लिए तरह तरह के उपाय किये जा रहे है। मास्क पहनने से सामने वाले व्यक्ति का संक्रमण हमसे संपर्क में नही आता और हमारा किसी भी तरह का संक्रमण किसी अन्य तक नही जाता। प्रत्येक को मास्क पहनकर ही बाहर निकलना चाहिए। आशा वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से राजधानी में रिक्शे चलाकर जीवन यापन करने वालो को एवं फुटपाथ पर दुकान चलाने वालो को हस्त निर्मित कॉटन के मास्क वितरित किए गए। यह मास्क धुलकर बार बार पहने जा सकते हैं। इस मास्क की खास बात यह है कि आशा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे निराश्रित महिलाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से ही यह मास्क उन्ही निराश्रित महिलाओं से बनवाए गए हैं। मास्क वितरण मुहिम का यह दूसरा चरण है। आशा वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्ष सोनी वर्मा,सचिव ज्योति मेहरोत्रा शीबा खान ने खुर्रम नगर चौराहा,टेढ़ी पुलिया चौराहा,पुरनिया चौराहा,विकास नगर चौराहा,कपूरथला चौराहा,महानगर चौराहा,गोल मार्किट चौराहा,रहीम नगर बंधा एवं मीना मार्केट चौराहे पर कॉटन मास्क का वितरण किया। वितरण के दौरान सोनी वर्मा ज्योति मेहरोत्रा एवं शीबा ने ग्लव्स पहन कर एवं हाथो को बार बार सैनिटाइजर से सैनिटाइज करके ही वितरण किया। फाउंडेशन की सचिव ज्योति मेहरोत्रा ने बताया की आगे अभी और भी चौराहों पर यह वितरण धीरे धीरे होता रहेगा।

प्रमोद तिवारी नसीब पठान के निधन से दुःखी

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य तथा आउट रीच कमेटी, उत्तर प्रदेश के प्रभारी प्रमोद तिवारी ने कहा है कि विधान परिषद के पूर्व सदस्य तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता रहे नसीब पठान के आकस्मिक निधन की खबर से मैं स्तब्ध और दुःखी हूँ। हर वक्त हँसने और हँसाने वाली सख्शियत अब हमारे बीच में नहीं रही। कोरोना की बीमारी से लड़ते हुये मेदान्ता हास्पिटल में उन्होंने अंतिम साँस ली। नसीब पठान जीवन पर्यन्त जहाँ धर्म निरपेक्षता के लिये संघर्ष करते रहे, वहीं वे समाज के कमजोर और मजबूर वर्ग के लोगों के लिये विधान परिषद में उनकी आवाज बुलन्द करते रहे। मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, और परवरदिगार से इल्तजा करता हूँ कि उनके निधन से दुःखी उनके परिवार को इस गम को सहने की शक्ति प्रदान करें।

ड्राइंग प्रतियोगिता में सी.एम.एस. छात्रा को गोल्ड मेडल

लखनऊ, संवाददाता। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, चौक कैम्पस की कक्षा-2 की छात्रा आरूही पाण्डेय ने अन्तर-विद्यालयी ड्राइंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता शैक्षिक संस्था ब्रेनोब्रेन के तत्वावधान में ऑनलाइन आयोजित की गई। सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में लखनऊ के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथापि सी.एम.एस. की इस प्रतिभाशाली छात्रा ने अपनी कलात्मक क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के साथ ही रचनात्मक सोच का प्रभावशाली उदाहरण प्रस्तुत किया। आरूही द्वारा बनाई कलाकृति ने निर्णायक मण्डल को अत्यधिक प्रभावित किया। निर्णायक मण्डल ने इस प्रतिभाशाली छात्रा की सृजनात्मक व रचनात्मक प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

डीएम ने यूपीएससी परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में आज आयोजित हुई यूपीएससी परीक्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने कई विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश सबसे पहले सेंटेनियल इंटर कॉलेज गोलागंज पहुंचे और वहां यूपीएससी परीक्षा के सुचारू संचालन के संबंध में एग्जामिनेशन रूम, परीक्षा पर्यवेक्षकों की व्यवस्था, सीसीटीवी के माध्यम से हर क्लासरूम की मॉनिटरिंग को देखा। जिलाधिकारी ने विद्यालय के कंट्रोल रूम में जाकर सीसीटीवी से सभी परीक्षा कक्षों की व्यवस्था को भी देखा। उन्होंने निर्देश दिया की कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी लोग सोशल डिस्टेंसिंग बनाकर रखें। प्रत्येक परीक्षा कक्ष में उसकी क्षमता से कम परीक्षार्थी बैठे पाए गए, ताकि सोशल डिस्टेंसिंग बनी रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि सभी केंद्र व्यवस्थापकों को पूर्व में ही निर्देश दे दिए गए थे कि सभी विद्यार्थियों में कम से कम 2 गज की दूरी रहे और परीक्षा देने के लिए मास्क लगाना अनिवार्य रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि आज जनपद के 91 केंद्रों पर उक्त परीक्षा सम्पन्न कराई जा रही है। सभी के केंद्रों पर पेयजल की व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय व हैंडवॉश, सेनेटाइजर आदि की व्यवस्था पाई गई। उन्होंने विद्यार्थियों से भी संवाद किया और मास्क लगाने एवं सैनिटाइजर का समय-समय पर उपयोग करने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि कोविड प्रोटोकाल का पालन करना भी बहुत जरूरी है। जिलाधिकारी ने सेंटेनियल इंटर कॉलेज गोलागंज, के पश्चात शिया इंटर कॉलेज और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग अलीगंज परीक्षा केंद्रों का भी निरीक्षण किया। कोविड-19 प्रोटोकॉल के पालन के साथ नकल विहीन परीक्षा आयोजित किए जाने के निर्देश केंद्र व्यवस्थापकों व नोडल अधिकारियों को दिए।

कांग्रेस के पूर्व एमएलसी नसीब पठान का निधन, मेंदांता अस्पताल में ली अंतिम सांस

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) नसीब पठान का रविवार को निधन हो गया। कोरोना वायरस से संक्रमित रहे पठान 68 वर्ष के थे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के मीडिया संयोजक ललन कुमार ने बताया कि पठान ने आज गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह कोरोना वायरस से संक्रमित थे। पठान विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता भी रह चुके थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पठान के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

हाथरस केस पर मायावती का बयान, डीएम के रहते सीबीआई जांच प्रभावित होने की आशंका

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने हाथरस मामले में मौजूदा जिलाधिकारी के रहते सीबीआई जांच प्रभावित होने की आशंका व्यक्त की है। मायावती ने रविवार को कहा कि हाथरस के जिलाधिकारी प्रवीण कुमार पर पीड़िता के परिजनों को डराने धमकाने का आरोप है। इसके बावजूद सरकार ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। ऐसे में लोगों के मन में आशंका है कि डीएम के रहते सीबीआई जांच निष्पक्ष तरीके से नहीं की जा सकती। उन्होंने ट्वीट किया'' हाथरस गैंगरेप कांड के पीड़ित परिवार ने जिले के डीएम पर धमकाने आदि के कई गंभीर आरोप लगाए हैं, फिर भी यूपी सरकार की रहस्मय चुप्पी दुःखद व अति-चिन्ताजनक। हालाँकि सरकार सीबीआई जांच के लिए राजी हुई है, किन्तु उस डीएम के वहां रहते इस मामले की निष्पक्ष जांच कैसे हो सकती है। लोग आशंकित है।गौरतलब है कि हाथरस में हैवानियत की शिकार पीडिता की मौत के बाद मचे सियासी बवाल के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मामले में जांच सीबीआई से कराने की सिफारिश की थी। हालांकि पीड़िता का परिवार सरकार के ऐलान से संतुष्ट नहीं है। उसका कहना है कि मामले की जांच उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश से होता तो अच्छा रहता। पीड़िता का परिवार डीएम प्रवीण कुमार पर धमकी और बदसलूकी के आरोप लगा चुका है। उन्होंने डीएम प्रवीण कुमार को पद से हटाने की मांग भी की है।

हिन्दू महासभा का प्रतिनिधि मण्डल पहुंचा हाथरस और बलरामपुर

लखनऊ, संवाददाता। अखिल भारत हिन्दू महासभा के अलग-अलग प्रतिनिधि मण्डल की टीम आज हाथरस और बलरामपुर पहुंची। पार्टी की महिला इकाई की अध्यक्ष अर्चना तिवारी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों ने बलरामपुर में पीड़ित परिवार वालों से लगभग एक घंटे तक मुलाकात कर प्रदेश सरकार से दोषियों के खिलाफसख्त से सख्त कार्यवाही की मांग की। प्रतिनिधि मंडल में अर्चना तिवारी के अलावा हिन्दू महासभा की नेता बबिता, पण्डित अन्तरिक्ष आदि शामिल थे। मुलाकात के बाद महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष अर्चना तिवारी ने बताया कि हिन्दू महासभा बलरामपुर काण्ड के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिये पार्टी हरसम्भव प्रयास करेगी और न्याय मिलने तक पार्टी पीड़ित परिवार के साथ बराबर खड़ी रहेगी। पार्टी के प्रदेश प्रभारी ऋषि त्रिवेदी ने जारी बयान में बताया कि हाथरस में पार्टी का दूसरा प्रतिनिधि मंडल राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रवीन्द्र द्विवेदी के नेतृत्व मे दोपहर बाद पहुंचा। इस मौके पर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रवीन्द्र द्विवेदी ने प्रदेश सरकार ने भले ही मामले को सीबीआई के हाथों सौंप दिया हो, लेकिन प्रारम्भ में सरकार ने जो रवैया दिखाया है, वह निन्दनीय है। हालाकि हाथरस का मामला सर्वोच्च जांच एजेन्सी सीबीआई के हाथों में जाने के बाद उम्मीद जतायी है कि इस मामले का सच सबके सामने जल्द आयेगा, लेकिन प्रदेश में एकाएक बढ़ी रेप की घटनाओं ने योगी सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी ऋषि त्रिवेदी ने बताया कि हिन्दू महासभा के हाथरस और बलरामपुर गये प्रतिनिधि मण्डलों की रिपोर्ट आने के बाद पार्टी बैठक कर आगे की रणनीति तैयार करेगी।

विधानसभा चुनाव में चुनौती बन सकते हैं चंद्रशेखर

लखनऊ, संवाददाता। भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर सियासी विकल्प बनने में जुटे हैं। दो साल से प्रदेश की तमाम घटनाओं पर उनकी मुखरता और अनुसूचित जाति व मुस्लिमों के एक तबके का उनके पक्ष में समर्थन इन संभावनाओं को प्रबल बना रहा है। हाथरस मामले में पहले ही दिन से उनकी सक्रियता ने यह बात साफ कर दी है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में वह सियासी ताकत के रूप में मैदान में दिखाई दे सकते हैं। उन्होंने अब राजनीतिक दल भी बना लिया है। इससे लगता है कि एससी के वोटों में बंटवारा कर मायावती के साथ अन्य राजनीतिक दलों के लिए वे चुनौती खड़ी सकते हैं। अनुसूचित जातियों से जुड़े मुद्दों पर मुखरता, नागरिकता संशोधन कानून और मुस्लिम सवालों को लेकर उनकी सक्रियता और तेवरों ने पश्चिमी यूपी में मुस्लिमों के बीच भी उनकी पैठ बढ़ाई है। प्रगतिशील व्यवस्था के प्रति विद्रोही तेवर पसंद करने वाले युवाओं के बीच भी चंद्रशेखर लोकप्रिय हैं। इससे पश्चिम से पूरब तक विस्तार की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। चंद्रशेखर की सक्रियता की बानगी कई बार मिल चुकी है। वह चाहे 2017 में सहारनपुर के शब्बीरपुर गांव में एससी-ठाकुरों का संघर्ष हो या अन्य घटनाएं। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहले भी बड़े प्रदर्शन कर चुके चंद्रशेखर के आह्वान पर हाथरस घटना के दोषियों पर कार्रवाई को लेकर बीते शुक्रवार को दिल्ली में हुए प्रदर्शन में उमड़ी भीड़ ने उनकी सियासी हैसियत में और इजाफा किया है। प्रदर्शन में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, जानी-मानी नेता वृंदा करात, डी राजा जैसे नेताओं का शामिल होना यह बताने को पर्याप्त है कि बड़े राजनीतिक चेहरे उनमें सियासी संभावनाएं देख रहे हैं। चंद्रशेखर ने 2015 में भीम आर्मी बनाकर एससी युवाओं को लामबंद करना शुरू किया था। धीरे-धीरे वे अनुसूचित जाति की सियासी आकांक्षाओं का प्रतीक बनने लगे। उनकी एससी वोटों को लामबंद कर मायावती का विकल्प बनने की इच्छा का प्रमाण इसी से मिलता है कि उन्होंने इसी वर्ष 15 मार्च को बसपा के संस्थापक कांशीराम की जयंती पर बीएसपी से मिलते-जुलते नाम वाली आजाद समाज पार्टी (एएसपी) का गठन किया है जिसका झंडा भी बसपा की तरह नीला है।

हाथरस की घटना के बाद राजधानी में लगाये गए पोस्टर

सीएम योगी को बर्खास्त करने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के हाथरस में दलित युवती के साथ गैंगरेप की घटना को लेकर सियासत जारी है। इस बीच, रविवार को लखनऊ के हजरतगंज में कई जगहों पर प्रियंका सेना के नाम से पोस्टर देखने को मिले। इस पोस्टर में एक लड़की को पिस्टल, कटार, तलवार से लैस दिखाया गया है। इसके अलावा राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बर्खास्त करने की मांग उठाई। पुलिस अब पोस्टरों को हटाने में जुटी है। हजरतगंज इलाके में लगाए गए पोस्टर में एक बेटी को पिस्टल, कटार और तलवार से लैस दिखाया गया है। हजरतगंज के पार्किंग और अन्य जगहों पर लगे इन पोस्टरों में गुलाबी रंग की ड्रेस पहने एक लड़की खड़ी है और उसकी तस्वीर के आगे लिखा है- ÷सरकार हमारी नकारी है बेटियों को बचाने खुद जिम्मेदारी है।÷ साथ ही पोस्टर में सीएम योगी को बर्खास्त करने की मांग की गई। पोस्टर में यह भी नारा है- 'बेटियों की कमर पर अब करधन नहीं पिस्टल, कटार और तलवार की जरूरत।' आखिरी में बड़े अक्षरों में प्रियंका सेना लिखा है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य और पूर्व पार्षद शैलेंद्र तिवारी बबलू ने यूपी में प्रियंका गांधी के सक्रिया होने के बाद 'प्रियंका सेना' बनाई है। बीते 3 सालों में लखनऊ में अलग-अलग तरीके से 'प्रियंका सेना' के नाम से विरोध-प्रदर्शन किए जा चुके हैं। इससे पहले भी सीएम योगी और पीएम मोदी के विरोध में प्रियंका सेना ने पोस्टर-बैनर लगाए थे। प्रियंका सेना की अगुवाई कर रहे शैलेंद्र तिवारी बब्लू का कहना है कि बीते तीन दिनों से लगातार सरकार का एक ड्रामा चल रहा है। उत्तर प्रदेश की मौजूदा सरकार ने हाथरस में जो लड़की को आधी रात को जलाया, वह हिंदू धर्म के खिलाफ है।

प्रतिबंधित रेलवे सॉफ्टवेयर का गढ़ बना लखनऊ, एक महीने में 42 कार्यवाही

लखनऊ, संवाददाता। अनलॉक डाउन में ट्रेनों के टिकटों की बढ़ी मांग ने जालसाजों को आपदा में अवसर दे दिया है। इन दिनों जालसाजों ने भारतीय रेलवे खानपान व पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट में सेंध लगाने के लिए आठ प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर बनाया है। इन सॉफ्टवेयर को अवैध रूप से बेचने से लेकर उनको इस्तेमाल करने का चलन लखनऊ में तेजी से बढ़ा है। लखनऊ में सॉफ्टवेयर को बेचने वाले सुपरसेलर के पकड़े जाने के बाद अब यूट्यूब पर इनकी बिक्री करने वालो का भी पता चला है। पिछले एक महीने में इन सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल के 42 मामले सामने आए हैं। जिनमे अधिकांश लखनऊ के है। दरअसल अब तक पूर्वांचल के कई जिलों में इन सॉफ्टवेयर का अधिक इस्तेमाल हो रहा था। पहने प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर मुम्बई और अहमदाबाद से 25 हजार रुपए में खरीदे जाते थे। रेलवे अधिकारियों के होश पिछले दिनों उस समय उड़ गए जब

पहली बार लखनऊ से नए सॉफ्टवेयर का सुपर सेलर गिरफ़्तार किया गया। । उनके साथ कोलकाता से सॉफ्टवेयर बेचने वाले सुपरसेलर व सात एजेंट सहित कुल 18 दलालों का पता चला है। हालांकि अभी ये दलाल पकड़ से दूर हैं। अब आरपीएफ को यूट्यूब पर सक्रिय एक सिंडिकेट का पता चला है। जो प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर मोबाइल और लैपटॉप पर इंस्टॉल करता है। व्हाट्सअप पर सम्पर्क कर लेनदेन ऑनलाइन हो रहा है। आरपीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक नए प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर की मुख्य कड़ी लखनऊ में है। आईआरसीटीसी की कई पर्सनल आईडी पर नजर रखी जा रही है। ये सॉफ्टवेयर आईआरसीटीसी की वेबसाइट के एप्लिकेशन खोलकर यात्री, बैंक का विवरण पहले ही भर देते हैं। कैप्चा भी बाईपास हो जाता है। रेडमिर्ची के खात्मे के बाद नए रेड मैंगो व वोल्टी सॉफ्टवेयर को विकसित किया गया है।

तीन लाख पदों पर नई भर्तियों की प्रक्रिया शुरू

विभिन्न विभागों ने रिक्त पदों का ब्योरा शासन को भेजा

लखनऊ, संवाददाता। योगी सरकार ने करीब तीन लाख पदों पर नई भर्ती की प्रक्रिया शुरू करा दी है। विभिन्न विभागों ने समूह क, ख, ग व घ के डेढ़ लाख से ज्यादा रिक्तियों का ब्योरा तैयार करके शासन को भेज दिया है। शेष रिक्तियों की सूचना भी जल्द उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग में करीब 81 हजार और पुलिस में 16,626 पदों की भर्ती प्रक्रिया अंतिम दौर में है। इसके अलावा सीधी भर्ती के करीब 1.20 लाख व पदोन्नति के 31 हजार से ज्यादा पदों पर जल्द से जल्द नियुक्तियां करने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी, मुरादाबाद में आधारभूत प्रशिक्षण के बाद परिवीक्षाधीन पुलिस उपाधीक्षकों व सहायक अभियोजन अधिकारियों के दीक्षांत समारोह को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए तीन लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दिए जाने की जानकारी दी। रिक्त पदों पर भर्ती के संबंध में विभिन्न चयन आयोगों एवं बोर्डों के अध्यक्षों के साथ बैठक करके प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने को कहा गया है। प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। बीते साढ़े तीन वर्षों में पारदर्शिता व शुचिता के साथ तीन लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने बताया कि 2017 से अब तक पुलिस में रिक्त पदों पर 1 लाख 37 हजार 253 भर्तियां की गईं, जो वर्ष 2007 से 2017 तक की गई भर्तियों से कई गुना ज्यादा हैं। विभिन्न चयन आयोगों में विभागों की ओर से 22,840 पदों पर भर्ती के लिए भेजे गए प्रस्ताव (अधियाचन) अभी लंबित पड़े हैं।

पीड़ित परिवार के अनुसार सबसे बुरा बर्ताव डीएम का, बर्खास्त करे सरकार: प्रियंका

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस महासचिव और पार्टी की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने हाथरस मामले में जिलाधिकारी (डीएम) को बर्खास्त कर उनकी भूमिका की जांच की मांग की है। प्रियंका ने रविवार को ट्वीट किया हाथरस के पीड़ित परिवार के अनुसार सबसे बुरा बर्ताव डीएम का था। उन्हें कौन बचा रहा है? उन्हें अविलंब बर्खास्त कर पूरे मामले में उनकी भूमिका की जांच हो। उन्होंने कहा,परिवार न्यायिक जांच मांग रहा है तब क्यों सीबीआई जांच का हल्ला करके एसआईटी की जांच जारी है। यूपी सरकार यदि जरा भी नींद से जागी है तो उसे परिवार की बात सुननी चाहिए। गौरतलब है कि हाथरस में पिछले दिनों एक दलित लड़की से कथित रूप से सामूहिक बलात्कार के बाद उसकी मौत के मामले में राज्य सरकार ने शुक्रवार को वहां के पुलिस

अधीक्षक, पुलिस क्षेत्राधिकारी और इंस्पेक्टर समेत पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया था। इसी बीच, जिलाधिकारी प्रवीण लक्षकार का एक कथित वीडियो सामने आया है, जिसमें वह परिवार को धमकाते हुए नजर आ रहे हैं। लिहाजा उन्हें भी हटाने की मांग जोर पकड़ रही है। प्रियंका ने इससे पहले कहा कि हाथरस की घटना का पीड़ित परिवार सरकार से कुछ सवाल और मांग कर रहा है। उन्होंने ट्वीट किया, हाथरस के पीड़ित परिवार के प्रश्न उच्चतम न्यायालय के जरिए पूरे मामले की न्यायिक जांच हो, हाथरस डीएम को निलंबित किया जाए और किसी बड़े पद पर नहीं बैठाया जाए, हमारी बेटी के शव को बगैर हमसे पूछे पेट्रोल से क्यों जलाया गया, हमें बार-बार गुमराह किया, धमकाया क्यों जा रहा है? हम इंसानियत के नाते चिता से फूल चुनकर लाए मगर हम कैसे मानें कि यह शव हमारी बेटी का ही है? प्रियंका ने कहा कि इन प्रश्नों के उत्तर पाना इस परिवार का हक है और सरकार को ये जवाब देना पड़ेगा। ज्ञातव्य है कि प्रियंका और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को हाथरस जाकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी। राज्य सरकार ने शनिवार देर शाम ही घटना की सीबीआई से जांच कराने की सिफारिश कर दी थी। हाथरस के चंदपा थाना क्षेत्र के एक गांव में गत 14 सितंबर को दलित लड़की से कथित रूप से सामूहिक बलात्कार किया गया था। इस दौरान गंभीर रूप से चोटिल होने पर उसे अलीगढ़ के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसके बाद उसे दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल में ले जाया गया था, जहां उसकी मौत हो गई थी।

प्रदेश में 24 घंटें में कोरोना के संक्रमित 3,930 नये मामले आये सामने

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने आज यहां लोक भवन में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश में कोविड-19 के संक्रमण के मामलों में कोविड पॉजीटिव के एक्टिर केस कम होने पर संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए बचाव और उपचार की बेहतर व्यवस्था जारी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि कोविड-19 की रिकवरी दर में वृद्धि के लिए तेजी से प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने और अधिक सावधानी बरतने एवं संक्रमण की चेन को तोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये हैं कि कोविड-19 के अधिक मामलों वाले जनपदों में विशेष ध्यान दिया जाए। प्रतिदिन 100 से अधिक मामले वाले जनपदों में जियोग्राफिकल मैपिंग कराकर क्लस्टर की पहचान की जाए। दूसरे चरण में 50 से अधिक मामले वाले जनपदों में यह व्यवस्था लागू की जाए। उन्होंने कहा है कि कन्टेनमेंट जोन में होम टू होम आवश्यक वस्तुओं के सप्लाई की व्यवस्था की जाए। श्री सहगल ने बताया कि मुख्यमंत्री ने जनपद लखनऊ और कानपुर नगर के नोडल अधिकारियों को संक्रमण की रोकथाम के लिए पूरी तेजी से कार्यवाही जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि आर्थिक गतिविधियों को पटरी पर लाने के लिए निरन्तर समीक्षा व अनुश्रवण किया जा रहा है। लघु, सूक्ष्म, मध्यम एवं वृहद श्रेणी की 8.18 लाख इकाईयां क्रियाशील हैं जिसमें 51.78 लाख श्रमिक कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि आत्मनिर्भर उ0प्र0 रोजगार,स्वरोजगार सृजन अभियान में 14 मई से अब तक 4.18 लाख नई एमएसएमई इकाईयों को रूपये 14.59 करोड़ का ऋण वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 4.33 लाख इकाईयों को आत्मनिर्भर पैकेज के अन्तर्गत रूपये 10.536 करोड़ के ऋण स्वीकृत कर वितरित किये गये हैं।

जिला अस्पताल में मेडिको लीगल की तैनाती की मांग करेगा गुलाबी गैंग

फतेहपुर । रविवार को गुलाबी गैंग लोकतान्त्रिक की मासिक बैठक का आयोजन अध्यक्ष हेमलता पटेल के नेतृत्व में विकास खण्ड बहुआ के सुजानपुर संगठन कार्यालय में किया गया। इस दौरान विभिन्न जनसमस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गयी। इस दौरान संगठन का ध्यान जनपद में मेडिकोलीगल की समस्या, किसानों की समस्या व महिला उत्पीड़न की समस्या के निस्तारण हेतु केंद्रित रहा। अध्यक्ष हेमलता पटेल नें कहा की कई वर्षों से जिला अस्पताल में मेडिकोलीगल की सुविधा उपलब्ध नहीं है जिसके कारण लोगों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गंभीर चोट की अधिकृत रिपोर्ट प्राप्त करने हेतु लोगों को कौशांबी तक जाना पड़ता है और इसके लिए उन्हें खुद से ही वाहन किराया देना पड़ता है। घायलों को कौशांबी पहुँचाने की कोई सरकारी तौर पर सुविधा उपलब्ध नहीं है इसलिए लोगों पर आर्थिक बोझ भी बढ़ता है। गुलाबी गैंग लोकतान्त्रिक कल (आज) जिला अस्पताल में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित करते हुए मेडिको लीगल की समस्या के अतिशीघ्र निवारण किये जाने हेतु आवाज बुलंद करेगा। बैठक के दौरान सरला सिंह, प्रीती, सीमा, रानी, सुमन, राजरानी, केशकली, रानू, अनीता, आमना आदि मौजूद रहीं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जी ने मलिहाबाद माल का दौरा किया

मंडल ब्यूरो रूद्र प्रताप सिंह। मलिहाबाद लखनऊ मलिहाबाद तहसील के विकासखंड माल क्षेत्र में भाजपा माननीय प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने दौरा किया जिसमे मलिहाबाद विधायक जय देवी कौशल मंडल अध्यक्ष जितेंद्र अवस्थी ने मलिहाबाद आगमन पर माननीय प्रदेश अध्यक्ष जी का स्वागत किया माननीय प्रदेश अध्यक्ष जी ने मलिहाबाद के भाजपा के मंडल पदाधिकारियों के बारे में जानकारी ली और आगे होने वाले चुनाव के बारे में चर्चा की उसके बाद विकासखंड माल में बूथ अध्यक्ष के गांव रानी खेड़ा घर जाकर हाल-चाल जाना जिसमे माल ब्लॉक के समस्त कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष जी का जोरदार स्वागत किया और माल मंडल के समस्त पदाधिकारियो का माननीय अध्यक्ष जी ने हाल चाल जाना मंडल के पदाधिकारियों को जानकारी अवगत करायी की प्रधानमंत्री द्वारा दी गई योजनाओं के बारे में जमीनी स्तर हमारे कार्यकर्ता द्वारा आसपास क्षेत्र में जन जन तक योजनाओं से जुड़ी जानकारियां ग्राम स्तर तक पहुंचाएं ताकि जो लोग योजनाओं से वंचित राह गए उन लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ मिल सके ताकि जिससे आगे संगठन को और मजबूती मिल सकें। कार्यक्रम में माल मंडल अध्यक्ष श्री देवेंद्र प्रताप सिंह मलिहाबाद.मंडल अध्यक्ष जीतेन्द्र अवस्थी जी विधायक जयदेवी कौशल पूर्व जिला अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह अरविन्द शर्मा धीरू मौर्या जिला मंत्री जानकी विमल माधवेन्द्र देव सिंह महेंद्र शुक्ल जिला मंत्री भाजपा युवा मोर्चा अखिलेश अवस्थी दुर्गेश सिंह पवन शर्मा मुकेश गुप्ता रवि द्विवेदी मनोज गुप्ता उमेश राज राजपाल विजय शंकर और अन्य वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे ।।

हाथरस काण्डः समाजसेवियों ने निकाला कैण्डल मार्च

धाता, फतेहपुर । हाथरस में बेटी के साथ हुई दरिंदगी के विरोध में रविवार को धाता कस्बे में समाजसेवी,व्यापारी व पत्रकार बन्धुओं निकाला कैण्डल मार्च यह मार्च दीपनारायण तिराहा से शुरू होकर रावण मैदान पर पहुंचकर खत्म हुआ। इसमें सामाजिक कार्यकर्ता और वालंटियर भी शामिल हुए। सभी ने हाथों में कैंडल जलाए, पोस्टर लिए गैंगरेप पीड़िता के दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग को लेकर जोरदार नारे लगाए। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता मारकण्डेय सिंह मनोज सिंह चन्द्रौल,मुकेश सिंह, विवेक सिंह उत्कर्ष जायसवाल गब्बर भैया मोहम्मद कलीम रोहित जोशी अनुपम सिंह मुकेश सिंह अखंड प्रताप सिंह देवेश त्रिपाठी सचिन पटेल आदि सामाजिक कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

तालाब में डूबकर युवक की मौत

फतेहपुर । असोथर थाना क्षेत्र के ग्राम सुसवन में शनिवार की शाम शौच क्रिया करने गये एक लगभग 28 वर्षीय युवक को अचानक मिर्गी का दौरा पड जाने से तालाब मे गिर गया जिससे डूब कर उसकी मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार सुसवन गांव निवासी अजय चन्द्र का पुत्र सुनील कुमार यादव जिसे कई सालो से मिर्गी का दौरा पड रहा था काफी इलाज कराया गया लेकिन कोई फायदा नही हुआ। कल शाम लगभग पांच बजे वह गांव के बाहर स्थित शौच क्रिया के लिये गया था। तभी अचानक उसे मिर्गी का दौरा पड गया और वह तालाब में गिर गया जिससे उसकी मौके पर ही डूबकर मौत हो गयी। काफी देंर बीत जाने पर जब वह घर नही पहुचा तो परिजन उसे ढूढते हुये तालाब किनारे पहुच गये जहा सुनील का शव पानी मे पडा मिला तभी इसकी सूचना क्षेत्रीय पुलिस को दे दी। मौके पर पहुची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

नहर से पुलिस ने सिर कटी लाश किया बरामद

फतेहपुर । सदर कोतवाली क्षेत्र के नउवाबाग हाईवे स्थित काशीराम कालोनी कडरियनपुरवा के पीछे नहर से ग्रामीणो की सूचना पर पुलिस ने एक लगभग 40 वर्षीय अज्ञात युवक का हत्या युक्त सर कटा शव बरामद किया है। उधर नहर में शव मिलने से आस पास के लोगो मे दहशत के माहौल के बीच काना फूसी शुरू हो गयी। कुछ लोग आपस में कहते सुने गये कि युवक की हत्या कही और की गयी है और शव बहता हुआ यहा आ गया है। वही पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर तहकीकात शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नही हो सकी हैं।

युवक ने किया जान देने का प्रयास

फतेहपुर । हुसेनगंज कस्बा में शनिवार की शाम पिता की डांट से क्षुब्ध 22 वर्षीय युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। जिसे अचेता अवस्था में उपचार के लिये सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार हुसेनगंज कस्बा निवासी रामकरन ने शनिवार की शाम अपने पुत्र धर्मेन्द्र को किसी बात को लेकर डाट डपट दिया इसी बात से नाराज होकर उसने जहर खा लिया। कुछ समय बाद जब उसे उलटिया होने लगी तो परिजनो ने उसे आनन फानन सरकारी एम्बुलेन्स द्वारा उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती करा दिया। जहा इलाज कर रहे चिकित्सक ने उसकी हालत में सुधार बताया है।

मुख्य मार्गो में अवैध अतिक्रमण से राहगीर परेशान

किशनपुर, फतेहपुर । कस्बे मुख्य मार्गों में इतना अधिक अतिक्रमण है की सड़क पर निकलने वाले राहगीरों को काफी ज्यादा मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। कस्बा स्थित गल्ला मंडी से बस स्टॉप तक दोहरी सड़क होने के बावजूद भी एक गाड़ी को निकालने में बहुत ज्यादा परेशानी होती है सड़क पर ही कस्बे वासियों ने मोरम, ईट, आदि चीजें लगा रखी है, जिसको देखने के बावजूद भी सक्षम अधिकारियों के द्वारा किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की जाती वहीं कस्बे के और अंदर आने पर कुछ लोगों के द्वारा नवनिर्मित मकानों के चबूतरे सड़क में बना लिए गए हैं। सब कुछ जानते हुए भी नगर पंचायत के अधिकारी अनजान बन धृष्टराज की भूमिका निभा रहे हैं जिससे कि लोग बिना भय के सड़कों पर अतिक्रमण का मकड़जाल बना लोगों के लिए मुसीबत का सबब बन रहे हैं।

लड़की को लेकर युवक फरार

हथगाम, फतेहपुर । सुल्तानपुर घोष अंतर्गत एक ग्राम में रात के अंधेरे में नाबालिग लड़की को लेकर युवक फरार हो गया। बताते है कि बगल के गांव चक बाकरपुर का एक युवक बीती रात लड़की को भगा ले गया है। जिसकी सूचना पर क्षेत्रीय पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई कर रही है। पीड़ित परिवार का कहना है कि उसकी पुत्री बड़ी पुत्री की शादी का जेवर व 50 हजार रूपये लेकर फरार हो गई है।

तेज रफ्तार बाइक से गिरकर युवक घायल

बिन्दकी, फतेहपुर । तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक से गिरकर युवक गंभीर रूप से घायल हो गया इसको इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया चिकित्सक ने हालत चिंताजनक जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के भवौनापुर मोड़ के पास की ईट भट्ठा के सामने तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक से गिरकर अनीस उम्र 24 वर्ष पुत्र निवासी सेलावन कोतवाली बिंदकी गंभीर रूप से घायल हो गया घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया दुर्घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ लग गई परिजन भी मौके पर पहुंचे युवक की हालत चिंताजनक देखते हुए चिकित्सक युवक की हालत चिंताजनक देख प्राथमिक उपचार बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

नशीला पदार्थ लेने से युवक की हालत बिगड़ी

बिन्दकी, फतेहपुर । घरेलू विवाद के चलते अत्यधिक नशीला पदार्थ ले लेने से युवक की हालत गंभीर हो गई युवक की हालत गंभीर देखते ही परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई आनन-फानन में युवक को निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया काफी देर चले उपचार के बाद युवक की हालत में सुधार नहीं हुआ तो चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के दरवेशाबाद गांव में घरेलू विवाद के चलते अचल उम्र 27 वर्ष पुत्र आशोक कुमार ने अत्यधिक नशीला पदार्थ ले लिया जिसके चलते युवक की हालत खराब होने लगी यह देख परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई आनन-फानन में परिजनों ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया चिकित्सक ने युवक की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

अलग-अलग मार्ग दुर्घटना में दो युवक घायल

बिन्दकी, फतेहपुर । दो अलग-अलग मार्ग दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए दुर्घटना के बाद हड़कंप मचा रहा घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार जाफ़र गंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत गहरू खेड़ा गांव के समीप तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक से गिरकर ज्ञानेंद्र सिंह उम्र 28 वर्ष निवासी खाजुहा कोतवाली बिंदकी गंभीर रूप से घायल हो गया घायल युवक ज्ञानेंद्र सिंह को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया वहीं दूसरी ओर थाना कल्याणपुर क्षेत्र के अंतर्गत चौडगरा रेलवे क्रॉसिंग के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से मनजीत कुमार उम्र 20 वर्ष पुत्र राजेंद्र कुमार निवासी घरहीखेड़ा कोतवाली बिंदकी गंभीर रूप से घायल हो गए दुर्घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ लगी रही परिजनों ने बताया कि युवक अपने गांव से चौडगरा जा रहा था तभी चौडगरा के समीप अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

ट्रक की टक्कर से विक्रम चालक की मौत, चार घायल

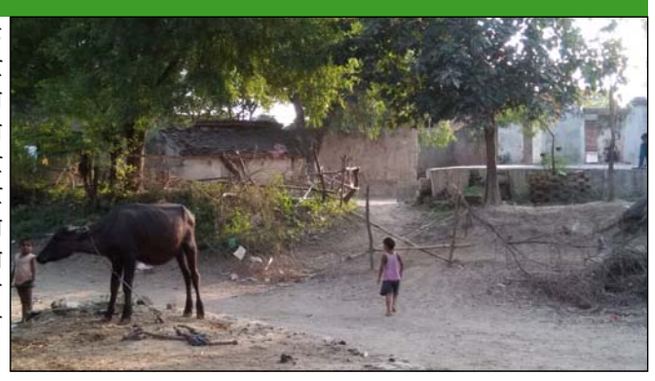

फतेहपुर । गाजीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम शाह के समीप रविवार की दोपहर ट्रक व विक्रम की भिड़ंत में चालक समेत आधा दर्जन से अधिक सवारियां घायल हो गयीं। गम्भीर रूप से घायल पांच लोगों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां चालक की हालत गम्भीर देख कानपुर के लिए रिफर कर दिया। जिसकी रास्ते में मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार ललौली थाना क्षेत्र के लदिगवां गांव निवासी स्व0 शिवराज का 60 वर्षीय पुत्र राम सिंह विक्रम चालक था। आज दोपहर वह बहुआ से सवारियां भरकर शहर आ रहा था। जैसे ही विक्रम शाह कस्बे के समीप पहुंचा तभी पीछे से तेज रफ्तार आ रहे बेकाबू ट्रक ने विक्रम में टक्कर मार दिया। जिससे विक्रम चालक समेत बैठी सवारियों में निशा पुत्री अनिल गुप्ता 18 वर्ष निवासी लदिगवां, विपुल पुत्र स्व0 भोला प्रसाद 22 वर्ष निवासी रमवां थाना थरियांव, चालक राम सिंह, शिवनरेश पुत्र स्व0 राम मनोहर 40 वर्ष व उसकी 19 वर्षीय पुत्री रंजना देवी निवासी मेवली थाना ललौली समेत आधा दर्जन से अधिक सवारियां घायल हो गयीं। सूचना पाकर मौके पर पहुंची सरकारी एम्बुलेन्स ने चालक समेत पांच लोगों को गम्भीर हालत में उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक ने चालक की हालत चिन्ताजनक देखते हुए कानपुर मेडिकल कालेज के लिए रिफर कर दिया। जिसकी रास्ते में मौत हो गयी। उधर सूचना पाकर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

समय से करें विद्युत बिल की अदायगी

बिन्दकी, फतेहपुर । तहसील क्षेत्र के विद्युत एसडीओ प्रशांत कुमार का कहना है कि क्षेत्र के समस्त बड़े बकायदा किस्तों में बिल की अदायगी करें अगर बड़े बकायेदारों नें विद्युत बिल नहीं जमा किया तो उनके कनेक्शन काट दिए जाएंगे। उन्होंने कहा है कि जिन बकायेदारों की विद्युत कनेक्शन काट दिए गए हैं अगर वह बिना अदायगी किए लाइट कनेक्शन जोड़ते हैं तो भारी जुर्माना होगा तथा सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित है। विद्युत एसडीओ प्रशांत कुमार शुक्ला ने समस्त विद्युत बकाया दारों से कहा है कि विद्युत बिल की समस्या जाएगी करें और योजना का लाभ उठाएं इस मौके पर जेई प्रमोद कुमार भी मौजूद थे।

अज्ञात चोरों ने शटर तोड़कर उड़ाया नकदी समेत कीमती सामान

खागा, फतेहपुर । कस्बे के जीटी रोड स्थित भारतीय स्टेट बैंक के समीप राजश्री किराना की दुकान में बीती रात शटर तोड़कर अज्ञात चोरों ने दुकान का कीमती सामान व नगदी उठा ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दिया। बताया जाता है कि खागा बस स्टॉप स्थित जीटी रोड भारतीय स्टेट बैंक के समीप शिवकुमार राजश्री किराना दुकान में बीती रात अज्ञात चोरों ने शटर तोड़कर दुकान का कीमती सामान उठा ले गए। दुकानदार शिवकुमार द्वारा बताया जाता है दुकान रोज की भांति रात में लगभग 09 बजे दुकान बंद कर घर चले गए और सुबह जब पड़ोसियों ने देखा तो उन्हें सूचना दिया। उन्होने मौके में आकर देखा कि दुकान के एक खाने में सिगरेट के पैकेट गायब है तथा गुल्लक में रखें कुछ रेजगारियां भी नदारद थे। बताया कि दुकान में लगभग 40 से 50 हजार का सामान पार किया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रक्रिया शुरू कर दिया।

हाथरस कांड को लेकर युवा भी उतरे सड़कों पर

अमौली, फतेहपुर । ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम मकरंदपुर में युवाओं ने किया कैंडिल मार्च निकालते हुए हाथरस में हुई दलित बेटी की मौत के बाद हत्यारों के खिलाफ राजनीतिक दल ही नहीं बल्कि समाज से जुड़े हर युवा वर्ग के लोग सड़क पर उतर आए हैं। इसी के मद्देनजर हत्यारों को फांसी देने की मांग को लेकर एकजुट होकर कैंडिल मार्च व नारेबाजी किया। जिसमें योगी मोदी सरकार के मुर्दाबाद के नारे भी लगाए गए। 14 सितम्बर को हाथरस में हुए दलित के साथ दुष्कर्म व हत्या के विरोध में युवाओं का गुस्सा भी सिर चढ़कर बोल रहा है। बलात्कारियों की रक्षा करना बंद करो, बलात्कारियों को बचाना बंद करो, हाथरस गैंगरेप पीड़िता को न्याय दो, आरोपियों को फांसी दो, पीड़ित परिवार को सरकारी नौकरी, 02 करोड़ मुआवजा दो, गैंगरेप से इंकार करने वाले आईजी को सस्पेंड करो, आधी रात को लाश जलाने का डीएम पर मुकदमा लिखो आदि नारे बुलंद किए गए।

सफाईकर्मी न होने से रेवाड़ी बुजुर्ग में गंदगी का अम्बार

मलवां, फतेहपुर । रेवाड़ी बुजुर्ग गांव में ग्राम प्रधान व सफाईकर्मी की उदासीनता के चलते गंदगी होने के कारण रेवाड़ी बुजुर्ग निवासी भाजपा युवा नेता अजीत सैनी ने सीएम पोर्टल के माध्यम से मुख्यमंत्रीयोगी आदित्यनाथ से शिकायत करते हुए बताया कि उनके गांव में साफसफाई करवाने के प्रति ग्राम प्रधान समेत ब्लाक क्षेत्र के अधिकारी उदासीन है जिसकी वजह से उनके गांव में गदंगी का अम्बार लगता जा रहा है जिसकी वजह से संक्रामक बीमारियों का प्रकोप भी बढने की आशंका से इंकार नही किया जा सकता। बताया कि तीन महीने हो गए हैं सफाई कर्मी को गांव से जाए हुए, लेकिन उसकी जगह अभी तक दूसरा कोई भी सफाई कर्मचारी की नियुक्ति नहीं की गई है। एक तरफसरकार द्वारा गांवों कि साफसाफाई के लिए कई कदम भी उठाए गए हैं, लेकिन अधिकारी सरकार की छवि को खराब करने में तुले है।

जनहित संघर्ष समिति के सुजान बनें अध्यक्ष

फतेहपुर । जनहित संघर्ष समिति का चुनाव कैंप कार्यालय में श्याम नगर खंभापुर में संपन्न हुआ जिसमें समिति के अध्यक्ष पद पर सुजान सिंह गौतम ने बाजी मारी तो वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर जितेंद्र मौर्य, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर इस्माइल अहमद, महामंत्री पद पर शिवम दीक्षित, कोषाध्यक्ष पद पर डा0 सिद्धार्थ सिंह, संयुक्त सचिव पद पर रचित शर्मा, संयुक्त महासचिव रवि शर्मा, संगठन मंत्री विजय त्रिवेदी, प्रचार मंत्री प्रदीप कुमार को बनाया गया। वहीं कार्यकारिणी सदस्य पद पर अनुपम मिश्रा, जैद अहमद, विवेक मिश्रा, अखिलेश चंदेल, अनुज मिश्रा, गुड्डू मिश्र को निर्विरोध चुना गया। समिति के पदाधिकारियों को समिति के निवर्तमान अध्यक्ष अनुराग नारायण मिश्र व समिति के आजीवन सदस्य दिनेश तिवारी ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद समिति के संरक्षक बशीर अहमद व चुनाव अधिकारी संजीव कुमार शुक्ला ने नव मनोनीत कार्यकारिणी को शपथ ग्रहण कराया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुजान सिंह गौतम ने कहा कि समिति के सभी नवमनोनीत पदाधिकारियों को साथ लेकर पूरी ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर तमाम लोग मौजूद रहे।

भू-माफियाओ को नही है योगी सरकार का खौफ

किशनपुर, फतेहपुर । विकास खंड विजयीपुर के किशनपुर थाना क्षेत्र के आदर्श गांव रामपुर में भू माफियाओं ने हनुमान मंदिर की जमीन एवं मंदिर जाने वाले मार्ग को तोड़कर उसे बंधक बनाकर बांस बल्ली से बांधकर कब्जा करने का कुचक्र रचाा है। बताते है कि बांस बल्ली से बैरीकेटिंग करने वाला युवक दबंग किस्म का होने के कारण गांव के लोग विरोध नहीं कर पाते और इसमें कई लोग मिलकर कब्जा करने की फिराक में है। ग्रामीणों के अनुसार मंदिर के चारों ओर बांस बांधकर बंधक बनाया गया है जिससे मंदिर दर्शन करने आने-जाने वाले लोगो को काफी समस्या होती है। ग्रामीणों का आरोप है कि मन्दिर की जमीन पर कब्जा की नियत रखने वाला युवक दबंग होने के कारण कई गरीब लोगों की जमीन भी हड़प लिया है। सूत्रों की मानें तो उक्त दबंग में रूपये बांटने का भी काम करता है।

संगठन द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान

रुद्र प्रताप सिंह। अखिल भारतीय सनातन धर्म प्रचार मानव सेवा संस्थान संगठन द्वारा जगह जगह पर स्वच्छता अभियान चलाया शुक्रवार को जिसमें शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में साफ सफाई की गई संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री भानु प्रकाश तिवारी जी के निर्देशानुसार और जिला नेतृत्व के आवाहन में कई स्थानों पर जिले के वरिष्ठ संगठन के पदाधिकारी के नेतृत्व में साफ सफाई अभियान चलाया गया जिसमें जिला अध्यक्ष मनोज सिंह के नेतृत्व में कई स्थानों पर संगठन के कार्यकर्ताओं ने झाड़ू व फावड़ा लेकर सफाई करने उतरे सफाई अभियान की शुरुआत राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम सभा गोंदा मुज्जम नगर में निकट भोलेनाथ मंदिर गोंदा मुज्जम नगर में चलाया गया सफाई अभियान इस अवसर पर संगठन के जिले व मंडल के पदाधिकारी मौजूद रहे जिसमें जिला संरक्षक राजेश कुमार रावत के नेतृत्व में सनातन नवयुवक संपूर्ण रामलीला मैदान में सफाई अभियान चलाया गया जिसमें प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह , उपाध्यक्ष सचिन कुमार साहू , जिला चिकित्सा प्रमुख महेश कुमार सोनवानी ब्लॉक उपाध्यक्ष पवन कश्यप ब्लॉक सचिव अमन रावत तथा रामलीला कलाकार प्रेम कुमार मौर्य, राधेलाल मौर्या अंकित मुन्ना शर्मा एवं रामलीला के मुख्य कलाकार उपस्थित रहे तथा देश को समाज को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया।

शातिर चोर हुए गिरफ्तार

प्रयागराज। आज होलागढ पुलिस ने चार शातिर चोर चंदनकश्यप ,मंजीत कश्यप पुत्र गण रामू निवासी राधा लालगोपालगंज सूबेदार सरोज पुत्र मगरू राम लीला का पुरा एवं दिलीप बेड़ियां पुत्र रामलखन निवासी रामदास पुर होलागढ को गिरफ्तार कर भारी मात्रा मे चोरी का सामान बरामद किया है इनके कब्जे से 13 अदद टूल्लू पम्प, 05बंडल प्लास्टिक की त्रिपाल ,नल की टोपियाँ, 09 डिब्बों 27 लीटर 500ग्राम मोबिल आयल बरामद कर जेल भेज दिया गया। इन्होने 25/26-9-20 की रात्रि में राजकुमार केशरवानी के हार्डवेयर की दुकान से सेंध लगाकर चोरी किये थे।जिसके सबंध में धाना होलागढ पर मुअसं 326/20 धारा 457,380,411 भादवि का अपराध पंजीकृत किया गया है।

अभय प्रताप सिंह संवादाता अस्पताल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने चिनहट कोतवाली पहुंचा पीड़ित परिवार

कोविड संक्रमित मरीज की मौत के मामले में ऐरा मेडिकल कॉलेज व एंटीग्रल पर लगा गंभीर आरोप

लखनऊ। कोविड-19 संक्रमित मरीज की मौत के मामले में ऐरा मेडिकल कालेज व एंटीग्रल हॉस्पिटल (कोविड-19 केयर सेंटर) के खिलाफ लापरवाही और हत्या को आरोप लगाते हुए पीड़ित परिवार के 13 सदस्य शनिवार देर शाम चिनहट कोतवाली पहुंचे। पीड़ित परिवार लापरवाही और हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहे थे। पुलिस ने घटना स्थाल का हवाला देते हुए यहां मुकदमा दर्ज करने से इंकार कर दिया। उधर मृतक की बहन के मोबाइल पर आये एक धमकी भरे फोन की तहरीर लेते हुए पुलिस ने जांच कर मामला दर्ज करने का आश्वासन दिया है। पीड़ित परिवार का कहना कि न्याया न मिला तो कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। 478 पक्का तालाब चिनहट के रहने वाले शिवप्रकाश पाण्डेय का बेटा कमल आदर्श कमल पाण्डेय (32) कोविड-19 से संक्रमित पाया गया।

बीते 11-15 सितम्बर तक वह घर पर क्वारंटीन रहा। बुखार कम न होने पर उसे 15 सितम्बर को एंटीग्रल हॉस्पिटल के कोविड केयर सेंटर में भर्ती कराया गया। उचित देखभाल न होने व इलाज में लापरवाही बरतने पर आर्दश ने आरोप लगाया। परिजानों ने बताया कि उसे वहां गर्म पानी तक नहीं दिया जाता था। कोविड केयर सेंटर की बदहाली व लापरवाही को लेकर आर्दश व उसकी बहन युक्ता पाण्डेय के बीच एक लंबी वाट्सएप्प चैटिंग हुई है। 21 सितम्बर को उसने अपने मोबाइल से एक वीडियो बनाया और अपनी बहन को भेजा कि बहन ''मैं बिलकुल ठीक हूं मुझे यहां से बाहर निकालों घर ले चलो''। उसके वीडियो बनाने से अस्पताल प्रशासन बेहद नाराज हो गया। आरोप है कि तबियत बिगड़ने का बहाना बनाकर 22 की देर रात उसे ऐरा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। और 24 सितम्बर को उसे वेंटिलेटर पर शिफ्ट कर दिया गया। 26 सितम्बर की रात तकरीबन 11 बजे उसकी मौत संदेहास्पद मौत हो गयी। परिजानों को यह भी आरोप है कि अस्पताल प्रशासन आर्दश को लगातार टार्चर कर रहा था। परिजानों का यह भी आरोप है कोविड-19 का हवाला देते हुए परिजनों को शव तक नहीं दिखाया गया। 27 को शव का विद्युतदाह संस्कार गृह में जला दिया गया।

डब्लूएचओ का कर्मचारी बताकर फोन पर दी गयी धमकी

आर्दश कमल पाण्डेय की मौत के बाद एक नंबर से उसकी बहन के मोबाइल पर फोन आया। उसने अपने आप को डब्लूएचओ का कर्मचारी बताया और आर्दश के बारे में जानकारी मांगी। दो अस्पतालों की रेटिंग खराब मिलने पर वह धमकी देना लगा। चिनहट थाने आये पिता शिव प्रकाश, मां रंजीता, बहन युक्ता चाचा जयप्रकाश, राम प्रकाश, चाची मधु,वंदना, भाभी सुची, भाई अतुल, अमन पाण्डेय व बुआ आशा व गीता तिवारी ने बताया कि फोन करने वाले व्यक्ति ने धमकी दी है वे थाना पुलिस का चक्कर न लगाएं नहीं तो इसका अंजाम बुरा होगा। इंस्पेक्टर चिनहट धनंजय पाण्डेय ने बताया कि परिजानों की तहरीर पर जांच की जा रही है।

मलिहाबाद पुलिस ने भतोइया में चलाया सघन चेकिंग अभियान

रुद्र प्रताप सिंह। मलिहाबाद लखनऊ की पुलिस मलिहाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक चिरंजीव मोहन के नेतृत्व में उप निरीक्षक भतोइया चौकी इंचार्ज धर्मेंद्र यादव कांस्टेबल पुरुषोत्तम यादव तारा सिंह संतोष यादव आस्तिष्क वर्मा व पुलिस फ़ोर्स और पीएसी बल के साथ चलाया गया वाहन चेकिंग अभियान जिसमे बिना मास्क हेलमेट सीट बेल्ट के फर्राटा भर रहे वाहनों का काटा गया चालान और आगे के लिए सख्त हिदायत दी गयी और भतोइया में पैदल मार्च कर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लोगों से अपील की भतोइया बाजार में लगी अनेको प्रकार की दुकानों पर जाकर शांति व्यवस्था बनाए रखने के अपील की और सोशल डिस्टेंसिंग का अवश्य पालन कराएं जिससे इस समय हमारे देश में तेजी फैले रही वैश्विक महामारी से निपटने के लिए सावधानी बरतना अति आवश्यक है और इसका कड़ाई से पालन कराया जाए ताकि इस करोना महामारी को फैलने से रोका जा सके ।।

योगी सरकार बड़ा सपना, हर घर एक रोजगार

अभी तक दुनिया कोरोना संकट से उबर नही पाई है। वैश्विक मंदी के चलते पूरी दुनिया में बेरोजगारी चरम पर पहुच गई है। ऐसे में उत्तर प्रदेश ने जो साहस दिखाया, जो सूझबूझ दिखाई, जो सफलता पाई, जिस तरह कोरोना से मोर्चा लिया, जिस तरह स्थितियों को संभाला, वो अभूतपूर्व है, प्रशंसनीय है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये सिर्फएक राज्य भर नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश दुनिया के कई देशों से बड़ा राज्य है। कोरोना काल में जो आंकड़े है सामने आए थे वे हैरान करने वाले थे। काफी लोग उन आकड़ो को नाकाफी भी कह सकते है लेकिन योगी सरकार की सोच कोरोना काल में जनता देख चुकी है। अब उत्तर प्रदेश की योगी सरकार बेरोजगारी दूर करने के लिए एक अनूठी कोशिश करने जा रही है। कम से कम हर घर में एक नौकरीशुदा युवा हो इसके लिए सरकार एक नया नियामक आयोग बनाने की तैयारी में है। निश्चित तौर पर अगर कोई इस बॉत की गारन्टी ले कि उसकी सरकार हर घर एक रोजगार दे पाएगी तो इसे एक सपना ही समझना चाहिए,ऐसा भी होता है कि कई बार देखे गए सपने सच भी हो जाते है। लेकिन उत्तर प्रदेश के वर्तमान हालत, कोरोना संकट काल में बिगड़ी आर्थिक स्थिति के बावजूद अगर ऐसा सपना प्रदेश सरकार देख रही और जनता को दिखा रही है तो यह बॉत प्रदेश के कई करोड़ बेरोजगारों के लिए बड़ी बॉत है। उत्तर प्रदेश की आबादी वर्तमान समय में 21 करोड़ के आसपास होगी। ऐसे में औसतन माना जाए तो वर्तमान में रोजगार कर रहे लोगों के सापेक्षा उत्तर प्रदेश में कम कम ढाई करोड़ नौकरियों की प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दरकार है। सरकारी आंकड़ों में अब यूपी में बेरोजगारों की संख्या लगभग 34 लाख पहुंच गई है।जो कि सरकार द्वारा 2018 में पेश किए गए आंकड़े से 54 प्रतिशत अधिक है। कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद ने ही जून 2018 तक उत्तर प्रदेश में रजिस्टर्ड बेरोजगारों की संख्या 21.39 लाख बताई थी। जून 2018 से अब जबकि प्रदेश सरकार ने हर घर एक नौकरी की बॉत कही है इस बेरोजगारी की संख्या कम से कम दो गुना हो चुकी यानि प्रदेश में 40 लाख के करीब पढ़लिखे बेरोजगार है। अब ऐसे में सरकार के लाख प्रयास के बावजूद अधिकत्तम डेढ़ लाख बेरोजगारों का ही सरकारी सेवा में समायोजन हो पाएगा। अब बचे 38 लाख बेरोजगारों की तो इनका समायोजन उत्तर प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत खोले जाने वाले दो जनसेवा केन्द्रो और शहर में दस हजार की आबादी में खोले जाने वाले एक जनसेवा केन्द्र में बेरोजगारों को रोजगार मुह्याया कराया जाएगा। सरकार की सोच यह है कि प्रदेश में 1.5 लाख जनसेवा केन्द्रों में 4.5 लाख लोगों को रोजगार दिया जाएगा। रोजगार की गारंटी वाले इस प्रस्ताव को अमल में लाने के लिए सरकार संवैधानिक संस्था के रूप में रोजगार आयोग का गठन करने पर विचार कर रही है. रोजगार आयुक्त अयोग के मुखिया होंगे. रोजगार एवं प्रशिक्षण, उद्यिमता विकास, कौशल सुधार, मनरेगा और अलग-अलग विभागों द्वारा कौशल विकास के लिए जारी प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार के कार्यक्रम इस आयोग के अधीन होंगे। रोजगार आयुक्त इन सभी विभागों के लिए समन्वयक का काम करेगा. उसको यह अधिकार होगा कि वह रोजगार, कौशल प्रशिक्षण से संबंधित निर्देश किसी सरकारी विभाग, निजी संस्था, उद्योग या कंपनी को दे सकेगा. इसमें सरकारी सेवा से लेकर गैरसरकारी और निजी क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार शामिल हैं। निजी क्षेत्र में उपलब्ध देश और विदेश में उपलब्ध रोजगार के मौके उप्र के युवाओं को उपलब्ध हों इसके लिए सरकार उनको प्रशिक्षण भी दे।प्रस्तावित आयोग, प्रदेश में उपलब्ध होने वाले रोजगार के सभी अवसरों पर नजर रखेगा. साथ ही यह भी तय कराएगा कि नियुक्तियां पूरी पारदर्शिता से हों. उद्योगों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण, प्रशिक्षण के बाद नौकरी या स्वरोजगार के इच्छुक युवाओं को बैंकर्स से समन्वय स्थापित कर सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत उनको ऋण दिलवाएगा। अलग-अलग देशों के दूतावासों से संपर्क कर वहां उपलब्ध रोजगार के अवसरों के लिए वह रोजगार मेलों का भी आयोजन कराएगा। मनरेगा के तहत जिस तरह सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में 100 दिन रोजगार की गारंटी देती है, उसी तरह की गारंटी शहरों और कस्बों में रहने वाले हर परिवार के एक सदस्य को रोजगार देने की कर सकती है। अब हम बॉत करने वास्तविक गारंटी वाले रोजगार के बारे में तो प्रदेश सरकार ने प्रदेश में बेरोजगारी की स्थिति को देखते हुए पिछले एक माह में सरकार के अधिनस्थ विभागों में रिक्त पदों का जो ब्यौरा प्राप्त किया है उसके मुताबिक सितमबर 2020 प्रदेश सरकारी सेवा के 1 लाख, 19 हजार, 608 पद रिक्त है। जबकि एक दूसरे आंकड़े के मुताबिक सीधी भर्ती के 1,19,608, पदोन्नति के 31,477 और आयोग में लम्बित रिक्तियों की संख्या 26,151 पद है। दूसरे राज्यों से यूपी में आ रहे श्रमिकों और यहां पहले से मौजूद श्रमिकों को रोजगार दिलवाने के लिए राज्य सरकार ने कार्ययोजना तैयार कर ली है। राज्य सरकार हर एमएसएमई यूनिट में एक अतिरिक्त रोजगार सृजन करेगी। राज्य सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में 90 लाख एमएसएमई यूनिटें हैं। इस तरह से 90 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य योगी सरकार ने रखा है। राज्य सरकार का अनुमान है कि लॉकडाउन के चलते यूपी में 18 से 20 लाख श्रमिक यूपी लौटेंगे। इसके अलावा ज्यादा रोजगार देने के लिए राज्य सरकार एमएसएमई यूनिटों को कई और रियायतें देने की तैयारी कर रही है।लोगो को याद होगा कि कोरोना काल में हुए पलायन के बाद भारी संख्या में दूसरे राज्यों से आए लोगों की बेरोजगारी को देखते हुए योगी सरकार ने एक महत्वपूर्ण बैठक दौरानं कहा कि कोरोना के मौजूदा संकट ने हमको यह अवसर दिया है। हम इसे चुनौती के रूप में स्वीकार कर प्रदेश को एमएसएमई हब बनाएंगे। इससे न्यूनतम पूंजी, न्यूनतम जोखिम में स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही नए यूपी का निर्माण भी होगा। नई एमएसएमई यूनिट स्थापित करने में दिक्कतों को दूर करने के लिए पर्यावरण के साथ अन्य एनओसी के नियमों को सरल किया जाएगा। इसके अलावा सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए अनापत्ति देकर इसकी समयसीमा भी तय की जाएगी। वहीं, नई यूनिट लगाने वाले हर उद्यमी को आसान शर्तों पर बैंकों से लोन दिलवाया जाएगा। इसके लिए हर जिले में 12 से 20 मई तक लोन मेले लगेंगे। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। लेकिन सरकार की इस सोच का जो फायदा उसे मिलना चाहिए था नही मिला। बहरहाल प्रदेश में मौजूदा बेरोजगारी के आंकड़ कागज में भले ही भयावह न हो पर धरातल में बहुत ही भयावह है। वैसे भी बढ़ती बेरोजगारी पहले से ही चिन्तनीय थी, इस पर कोरोना काल ने आग में घी डालने का काम किया है। हर क्षेत्र में नौकरी जाने की समस्या कई गुना बढ़ गई है। अब ऐसे में योगी सरकार बड़ा सपना देखा है। रूकी हुई भर्तियों को फिर से शुरू कराने सभी विभगों में खाली पदों को भरने और नई नौकरियॉ सृजित करने पर जोर दिया है। नौजवानों को कौशल प्रशिक्षण, निवेशकों को आकृर्षित करने के जतन के अलावा प्रदेश सरकार क्षेत्रवार उद्योगों की स्थापना के प्रयास कर रही है। लेकिन सरकार को इन क्षेत्रों में अपेक्षित सफलता नही मिल पा रही है। इसके बावजूद योगी सरकार की अच्छी बॉत यह कही जा सकती है कि इस विकट समस्या के समाधान के लिए वह चिंतित और प्रयत्नशील है। मुख्यमंत्री योगी की नई घोषणा की बॉत करे तो मुख्यमंत्री ने तीन लाख नई नौकरियॉ देने की बॉत कही है। सरकार की इस घोषणा से युवा बेरोजगारों में उम्मीद जागी है। इसकी पृष्ठभूमि पर नजर डाले तो पिछले साढ़े तीन साल में उत्तर प्रदेश के पुलिस विभाग में एक लाख 37 हजार पदों पर भर्ती हो चुकी है। आने वाले समय में सरकारी विभागों में लगभग तीन लाख नौकरियों में भर्ती हो सकती है। मुख्यमंत्री की नई घोषणा लाखा परिवारों को आश्वस्त करती है। लेकिन यहॉ सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि आयोग रोजगार के नए अवसरों के सृजन पर नजर रखेगा और भार्तियों पारदर्शिता शतप्रतिशत होगी। यहॉ नौकरशाही को भी इस बॉत का ध्यान रखना पड़ेगा कि जो सोचकर सरकार इस आयोग का गठन कर रही है उसी मंशा से काम किया जाए,क्योकि कई बार देखा जा चुका है कि सरकार की महत्वकांक्षी योजनाए धरातल पर आने से पहले ही दम तोड़ देती है। बहरहाल सरकार की हर घर एक नौकरी की घोषणा ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश के बेरोजगारों में उम्मीद की एक किरण जगा दी है।

सम्पादकीय

नाकामी पर पर्दा

हाथरस में कथित दुष्कर्म और क्रूरता का शिकार हुई युवती के परिवार की इच्छा के विरुद्ध आनन-फानन में दाह संस्कार करने और इससे उपजे विरोध का दमन करने से प्रदेश सरकार की नाकामी ही उजागर हुई है। यूं तो कोई ही दिन जाता होगा जब उत्तर प्रदेश में हत्या, बलात्कार और गंभीर अपराध न होते हों, लेकिन इन अपराधों से निपटने की राज्य सरकार की रणनीतिक विफलता लगातार सवालों के घेरे में रही है। कह सकते हैं कि सरकार अपराधों पर लगाम लगाने में विफल ही रही है। दरअसल, कोई व्यावहारिक व कारगर रणनीति अपराधों से निपटने के लिये नजर भी नहीं आती। अपराधों पर काबू न पाने पर होने वाली किरकिरी के बाद उसके निशाने पर विपक्षी दल और आलोचक आ जाते हैं। इसी तरह बृहस्पतिवार को हाथरस में यौन हिंसा की शिकार हुई युवती के परिजनों से मिलने जा रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा से पुलिस जिस तरह पेश आयी, उससे राज्य सरकार की हताशा ही उजागर हुई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से धक्का-मुक्की व गिरफ्तारी तथा कांग्रेसी कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कई सवालों को जन्म देता है। कानून व्यवस्था की विफलता का विरोध करने वाले विपक्षी दलों और आलोचकों से प्रदेश का पुलिस-प्रशासन जिस तरह से पेश आया है, यदि वैसा अपराधियों से निपटता तो प्रदेश की कानून व्यवस्था जरूर दुरुस्त हो जाती। मगर सरकार का सारा ध्यान महज विपक्ष व आलोचकों का मुंह बंद कराने की ओर लगा है। निस्संदेह हाथरस कांड में पुलिस-प्रशासन की भूमिका शुरू से ही सवालों के घेरे में रही है। पुलिस ने मामले को पहले से ही गंभीरता से नहीं लिया। घटना के दस दिन बाद पहले अभियुक्त की गिरफ्तारी हुई। जीवन-मौत के बीच संघर्ष कर रही युवती को समय रहते कारगर चिकित्सा नहीं मिल पायी। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उसे तब भेजा गया जब उसकी स्थिति गंभीर हो गई। गैंगरेप की बात से भी प्रदेश के शीर्ष अधिकारी इनकार करते रहे हैं। निःसंदेह, उत्तर प्रदेश में अपराधों का ग्राफ हर सरकार के दौर में चढ़ता-उतरता रहा है। महत्वपूर्ण यह है कि सत्ताधीश कितनी कारगर रणनीति अपराधियों से निपटने में अपनाते हैं। पीड़ितों के प्रति कितनी संवेदशीलता दिखायी जाती है। मंगलवार को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में पीड़िता की मौत के बाद जिस तरह प्रदेश के पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने युवती को शव को परिजनों को देने के बजाय युवती के गांव भेजा, उसने तंत्र की संवेदनहीनता को ही उजागर किया। यह ठीक है कि घटनाक्रम के बीच ही कुछ संगठन व राजनीतिक दल अस्पताल के बाहर ही हंगामा करने लगे थे, लेकिन पीड़ित के परिजनों से संवदेनशील व्यवहार जरूरी था। अधिकारियों ने किरकिरी से बचने के लिये आनन-फानन में शव को परिजनों को देने के बजाय गांव भिजवा दिया। बिना किसी निकट परिजन के दाह संस्कार तक करवा दिया। जबकि परंपरा के हिसाब से रात में दाह संस्कार नहीं किया जाता। इतना ही नहीं, राजनीतिक दल गांव न पहुंच सकें, इसलिए पूरे इलाके को छावनी में बदल दिया गया। कई नेताओं को भी विरोध प्रदर्शन रोकने के लिये नजरबंद किया गया। घटनाक्रम में पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों की संवेदनहीनता पर भी सवाल उठे हैं। पीड़िता के परिजनों पर समझौते के लिये दबाव बनाने के भी आरोप हैं। सरकार नकद मुआवजे और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की बात तो कह रही है, लेकिन सवाल यह है कि क्या पीड़ित परिवार के अहसासों को समझा जा रहा है। निष्कर्ष यह भी है कि सत्ता और अफसरशाही की दुरभिसंधि संविधान सम्मत समाज कल्याण और न्याय के अनुरूप व्यवस्था स्थापित करने के बजाय राजनीतिक हितों को तरजीह देती है। अधिकारी भी अपने दायित्वों और नैतिक कर्तव्यों का पालन करने के बजाय अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने में लगे रहते हैं। स्याह को सफेद करने के इस खेल में वे अपने नैतिक दायित्वों को भी ताक पर रख देते हैं, जिसके चलते समाज में आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है।

सितारों के आगे जहाँ और भी है

बॉलीवुड और विवादों का एक मजबूत रिश्ता है। चाहे बात कास्टिंग काउच, पतनशीलता, भाई-भतीजावाद, पूर्वाग्रह या उच्च और पराक्रमी के संबंधों के बारे में हो, बॉलीवुड ने निश्चित रूप से वैश्विक मीडिया में लंबे समय तक केंद्र के मंच पर कब्जा कर लिया है। अब, एक बार फिर, मनोरंजन उद्योग खुद को नशीली दवाओं की लत और डिबेंचरी सरफेसिंग के आरोपों के साथ वैश्विक टकटकी में पाता है। अभिनेत्री कंगना रनौत द्वारा ड्रग्स में बॉलीवुड की भागीदारी के बारे में दावे किए जाने के बाद इस बार विवाद बढ़ गया। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने ट्विटर अकाउंट पर कहा कि बॉलीवुड में 90: नशा करने वाले हैं। इसी ट्वीट में, कंगना ने कोकीन एडिक्ट होने के नाते इंडस्ट्री में कुछ बड़े नामों का भी खुलासा किया। अभिनेत्री ने यह भी दावा किया कि ड्रग्स की बात होने पर पुलिस और राजनेता भी भागीदार होते हैं। एनसीबी बॉलीवुड में इसके खरीदारों, ड्रग पहुंचाने वालों और सप्लायर्स के साथ उन लोगों का पता लगा रही है जो इस धंधे को चला रहे हैं। इसकी उभरती हुई तस्वीर यह है कि बॉलीवुड के कई पूर्व और मौजूदा एक्टर्स एजेंसी के रडार पर आ चुके हैं। बॉलीवुड और ड्रग का कनेक्शन काफी पुराना है. कई सितारे इसके लती होकर बर्बाद हो गए, लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने इसके मायाजाल से खुद को मुक्त कर लिया. फेफड़ों के कैंसर से जूझ रहे एक्टर संजय दत्त को कभी बॉलीवुड के ड्रग किंग कहा जाता था. ड्रग्स और शराब के सेवन ने उनको भीतर से खोखला कर दिया था. अमेरिका में जब उनका इलाज हो रहा था तो डॉक्टर्स ने उन्हें विभिन्न प्रकार के ड्रग्स की एक लिस्ट थमाई थी ताकि वो बताएं कि उसमे से उन्होंने किस किस का सेवन किया है. डॉक्टर्स यह देख कर हैरान थे कि संजय ने सभी पर निशाँ लगा दिए यानी उन्होंने उस लिस्ट में मौजूद हर ड्रग का सेवन किया था. आखिर तब ये ड्रग्स उन तक कैसे पहुँचती थीं? हालांकि अमेरिका में इलाज के बाद संजय ने शानदार वापसी की और जबरदस्त बॉडी भी बनाई और उन्हें एहसास हो गया कि जिंदगी से बड़ा नशा कोई नहीं है. लेकिन आज वह फेफड़ों के कैंसर से जूझ रहे हैं। रैपर और सिंगर यो यो हनी सिंह संगीत की दुनिया में इतने हिट हुए कि सफलता सर चढ़कर बोलने लगी और इसकी मस्ती में वे ड्रग्स और शराब के एडिक्ट हो गए. इसके बाद से ही हनी सिंह के गाने आने बंद हो गए थे और वे रिहैब सेंटर भी गए. लम्बे समय तक अपने चाहने वालों से दूर रहने के बाद हालांकि हनी सिंह ड्रग्स से जंग जीतकर वापसी कर चुके हैं और अपने म्यूजिक करियर पर ध्यान दे रहे हैं। आज का बॉलीवुड वैसे भी देशभक्ति और सामाजिक मुद्दों को छोड़कर पूरी तरह नंगा हो चुका है एकाद फिल्मों को छोड़कर बाकी फिल्मे हम परिवार के साथ नहीं देख सकते. बच्चों की मानसिकता पर नंगापन, नशा और मर्डर जैसे सीन हावी हो रहें है जिनका उनकी असल जिंदगी पर असर हो रहा है. यही कारण है कि आज हमारा समाज पूरी तरह फिल्मी हो चुका है. हम जीवन मूल्यों की कदर करना भूल गए है क्योंकि हमें परोसी ही गंदगी जा रही है। मीडिया और मनोरंजन उद्योग के विशेषज्ञों ने कहा कि बॉलीवुड को कभी भी नैतिक रूप से उच्च भूमि के रूप में नहीं देखा गया है, हाल की घटनाओं ने उद्योग के साथ भारतीय मध्यम वर्ग के मोहभंग को स्वीकार किया है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन ब्रांड्स के एक हालिया सर्वेक्षण में पाया गया कि 18-30 साल की उम्र में 82: युवाओं ने कहा कि एक सेलिब्रिटी द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग ने उन्हें श्अविश्वसनीयश् बना दिया है, और वे इस तरह के एक सेलिब्रिटी द्वारा समर्थित ब्रांड नहीं खरीदेंगे। युवा देश की संपत्ति है और नशीले पदार्थों के सेवन के प्रति सबसे संवेदनशील वर्ग यही है। इसलिये, सख्त बहुआयामी रणनीति अपनाकार इस खतरे को रोकने का प्रयास करना चाहिए। निःसंदेह इस प्रकरण ने बॉलीवुड का काला सच सामने लाने का प्रयास किया है. भाई-भतीजावाद, खानदानी रुतबा,काले पैसे,कास्टिंग काउच, शारीरिक शोषण जैसे कारनामे बॉलीवुड की देन है. जिस दुनिया में कदम रखने के लिए आज के युवा सब कुछ करने को तैयार है, उसकी काली सच्चाई सब को दहला रही है. बॉलीवुड सितारों का युवा पीढ़ी और बच्चों पर सीधा असर पड़ता है. इनकी नशे बाजी भी इन पर असर छोड़ती है. बॉलीवुड में ड्रग्स का चलन आम है और कास्टिंग काउच जरूरत. इन सब को जानकर अब युवा पीढ़ी को अपना मन जरूर बदल लेना चाहिए. तलाश करनी चाहिए एक साफ-सुथरे क्षेत्र में सुनहरे भविष्य की जहाँ वो समाज के लिए कुछ अच्छा कर सके. सितारों के आगे जहाँ और भी है. उस संसार में क्या पता हमारा और आने वाली पीढ़ियों का भला है।

अहंकारी व बेलगाम सत्ता के नियंत्रण के लिए मजबूत विपक्ष जरूरी

हमारा देश वर्तमान समय में अव्यवस्था,अराजकता तथा व्याकुलता के दौर से गुजर रहा है। पहले से ही बेरोजगारी व मंहगाई जैसे अभूतपूर्व हालात का सामना कर रहे देश के नागरिकों के सामने कृषक आंदोलन तथा उत्तर प्रदेश में महिलाओं विशेषकर दलित महिलाओं के साथ होने वाले बलात्कार व जघन्य अपराधों ने इन असामान्य हालात में जलती आग में घी डालने का काम कर दिया है। केवल एक सप्ताह के भीतर उत्तर प्रदेश के हाथरस, आजमगढ़, बलरामपुर तथा भदोही व बाराबंकी में बलात्कार व नृशंस हत्या जैसी कई घटनाओं ने उन सत्ताधीशों की शासन क्षमता पर सवाल खड़ा कर दिया है जिन्होंने दिल्ली व उत्तर प्रदेश की सत्ता तक पहुँचने के लिए जनता में यही भय फैलाया था कि यू पी ए के शासन में कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह चौपट है,बेटियों का बलात्कार हो रहा है और वे पूरी तरह असुरक्षित हैं। उत्तर प्रदेश में अखिलेश राज को गुंडा राज बताया जाता था। और अपना शासन आने पर जनता को राम राज का एहसास दिलाने का सपना दिखाया गया था। परन्तु देश की जनता के लिए श्राम राजश् का सपना तो मात्र एक दुःस्वप्न साबित हो चुका है। देश की जिन बच्चियों के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा दिया गया था और इस मिशन की मार्केटिंग में सैकड़ों करोड़ रूपये फूँक दिए गए थे उन्हीं बच्चियों के साथ केवल बलात्कार ही नहीं हो रहा बल्कि शासन के अधिकारियों द्वारा भी जिस तरीके का क्रूरता पूर्ण बर्ताव किया जा रहा है उसका दूसरा उदाहरण स्वतंत्र भारत के इतिहास में आज तक देखने को नहीं मिला। हाथरस की घटना जिसने देश में उबाल पैदा कर दिया है,इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। जहाँ दलित युवती का कथित तौर पर पहले सामूहिक बलात्कार किया गया फिर उसकी रीढ़ की हड्डी तोड़ दी गयी व जुबान काट डाली गयी। उसके बाद इन साक्ष्यों को मिटाने के लिए पुलिस व प्रशासन द्वारा मरणोपरांत उस मृतक बच्ची को उसके मां बाप की अनुमति के बिना,बिना किसी संस्कार संबंधी धार्मिक रीति रिवाज को पूरा किये हुए, यहाँ तक कि रात में अंतिम संस्कार हरगिज न किये जाने जैसी हिन्दू मान्यताओं व परंपराओं के विरुद्ध भारी पुलिस बंदोबस्त के बीच मध्यरात्रि में उस बदनसीब का दाह संस्कार स्वयं पुलिस वालों के हाथों मिट्टी का तेल व पेट्रोल आदि चिता में छिड़ककर कर दिया गया। इसी तरह बलरामपुर व बाराबंकी की घटनाओं में भी पुलिस पर पीड़ित मृतक युवती का संस्कार देर रात उसके परिजनों की मर्जी के खिलाफ कराए जाने का आरोप है। उम्मीद तो यही थी कि दलितों के नाम पर व दलित वोटों के सहारे श्राजशाही ठाठ बाठश् हासिल करने वाली मायावती,राम विलास पासवान तथा राम दास अठावले जैसे नेता हाथरस व अन्य स्थानों पर दलित बेटी के साथ हुए अन्याय के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद करेंगे तथा पीड़ित परिवार के साथ खड़े होकर अपनी हमदर्दी का इजहार करेंगे। परन्तु दलित रहनुमाओं ने चुप्पी साध ली। हाँ मायावती ने श्ट्वीटबाजीश् बयानबाजी कर अपना फर्ज अदा करने का दिखावा जरूर कर दिया। ऐसे में निश्चित रूप से न केवल हाथरस के पीड़ित दलित परिवार के साथ बल्कि देश के समस्त वंचित,पीड़ित व उपेक्षित समाज के साथ विपक्षी पार्टियों के खड़े होने की जरुरत थी।और इस फर्ज को बखूबी निभाने का काम कांग्रेस पार्टी द्वारा निभाया गया व निभाया जा रहा है। सत्ता से सवाल पूछने की सजा के रूप में कांग्रेस के नेता राहुल गाँधी को पुलिसिया धक्का मुक्की का सामना करना पड़ा यहाँ तक की उनके चोट लगने व घायल होने का भी समाचार आया। इसी प्रकार हाथरस जा रहे तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल पर पुलिस ने कथित रूप से लाठी चार्ज किया जिसमें टी एम सी सांसद डेरेक ओ ब्रायन और प्रतिमा मंडल धक्का-मुक्की के दौरान नीचे गिर गये।उधर लखनऊ में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किया गया। बड़े ही आश्चर्यजनक तरीके से हाथरस में पीड़िता के गांव की ओर जाने वाले सभी रास्ते बंद कर दिए गए थे तथा राजनैतिक दलों के लोगों व मीडिया कर्मियों को वहां प्रवेश की अनुमति नहीं थी। सरकार के इस तानाशाही रवैये को न केवल भाजपा नेता उमा भारती ने गलत बताया बल्कि उत्तर प्रदेश पुलिस के कई पूर्व महानिदेशकों व आई पी एस अधिकारियों ने भी इसकी निंदा की व इस तरह की पुलिस कारगुजारी को गलत व गैर जरूरी भी बताया। बहरहाल इस समय विपक्ष आए दिन खराब होते जा रहे इस तरह के वातावरण को लेकर राम राज का वादा व दावा करने वाले सत्ताधीशों से दो दो हाथ कर रहा है। परन्तु दलाल मीडिया और सत्ता पक्ष के लोगों को इसमें विपक्ष द्वारा की जा रही राजनीति नजर आ रही है। महिलाओं के अधिकारों के लिए मुखर रहने वाली स्मृति ईरानी भी कांग्रेस की सक्रियता को राजनीति करना बता रही हैं। यदि ऐसी घटनाओं पर विपक्ष खामोश रहे तो यही मीडिया कहता नजर आएगा कि इतने बड़े हादसे के बाद विपक्ष खामोश क्यों है? क्या सांप सूंघ गया है? क्या विपक्ष मुर्दा गया है? क्या विपक्ष शक्तिहीन हो गया है ? क्या विपक्ष समाप्त हो गया है ?आदि आदि। और जब यही राहुल व प्रियंका गाँधी तथा उनकी पार्टी के हजारों नेता व कार्यकर्ता मजलूमों के साथ खड़े होकर उनकी आवाज बुलंद कर रहे हैं तो उनके इस कर्तव्य को राजनीति करना बताया जा रहा है ? उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य की जनता का मिजाज भांपते हुए हाथरस के पुलिस अधीक्षक व उप पुलिस अधीक्षक सहित दो पुलिस निरीक्षकों को बर्खास्त तो जरूर कर दिया। शासन के सचिव को पीड़ित परिवार से मिलने भेजा। इतना ही नहीं बल्कि राहुल गाँधी व प्रियंका गाँधी द्वारा पीड़ित परिवार से मिलने के बाद योगी सर्कार ने हाथरस घटना की जांच सी बी आई से कराने का निर्देश भी जारी कर दिया। और पीड़ित परिवार के लिए सांत्वना पैकेज की घोषणा भी कर डाली। परन्तु इस सवाल का जवाब किसी के पास नहीं कि सुशासन व राम राज का दर्शन कराने का दावा करने वाली सरकार का राज श्गुंडा राजश् व श्बलात्कार प्रदेशश् में कैसे परिवर्तित हो गया ? उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अपने ट्वीट में फरमाते हैं कि ष्उत्तर प्रदेश में माताओं-बहनों के सम्मान-स्वाभिमान को क्षति पहुंचाने का विचार मात्र रखने वालों का समूल नाश सुनिश्चित है। इन्हें ऐसा दंड मिलेगा जो भविष्य में उदाहरण प्रस्तुत करेगा। हम आपकी प्रत्येक माता-बहन की सुरक्षा व विकास हेतु संकल्पबद्ध है। यह हमारा संकल्प है-वचन है। परन्तु यह केवल फिल्मी संवाद प्रतीत होते हैं और इनमें राजनेताओं की गंभीर शब्दावली का अभाव नजर आता है। मीडिया हो या सत्ता व शासन के लोग,उन्हें देश को विपक्षहीन करने के दुष्प्रयासों से बाज आना चाहिए। बजाए इसके मजबूत विपक्ष पर विश्वास करना चाहिए। नफरत व सांप्रदायिक एजेंडे को अमल लाने के बजाए विपक्ष की जनहितकारी आवाजों को महत्व देना चाहिए। आज योगी आदित्य नाथ जैसे गद्दी गोरखनाथ के गद्दीनशीन व्यक्ति जिनकी उनके अनुयाई पूजा करते हैं,जिनके चित्र भक्तों ने अपने मंदिरों में लगाए हुए हैं आज उनके नाकाम मुख्यमंत्री साबित होने की वजह से उन्हीं के पुतले जलाए जा रहे हैं और उनके चित्र,नाम व पुतलों के साथ तरह तरह की बे अदबी की जा रही है। सत्ता अपनी कमजोरियों,सत्ता संचालित करने की अपनी नाकामियों को स्वीकार करने के बजाए इसका ठीकरा विपक्ष पर यही कह कर फोड़ रहा है कि विरोध के बहाने विपक्ष राजनीति कर रहा है? परन्तु लोकतंत्र की सबसे बड़ी हकीकत यही है कि अहंकारी व बेलगाम सत्ता के नियंत्रण के लिए मजबूत विपक्ष का होना बेहद जरूरी है।और विपक्ष को समाप्त या कमजोर करने की मीडिया या सत्ता पक्ष की किसी भी साजिश को लोकतंत्र विरोधी षड़यंत्र समझा जाना चाहिए।

सार समाचार .....

देश आर्थिक संकट से जूझ रहा है, ऐसे में खिलाड़ियों का पुराने वेतन पर अड़े रहना गलत होगा- स्टुअर्ट ब्रॉड

लंदन एजेंसी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा कि जब कोविड-19 महामारी के कारण खेल वित्तीय संकट से जूझ रहा है तब उनके देश के क्रिकेटरों को वेतन में कटौती के लिए तैयार रहना चाहिए और उनका वर्तमान वेतन पर ही बने रहना गलत होगा। इंग्लैंड ने पिछले सप्ताह जॉनी बेयरस्टॉ और मार्क वुड का टेस्ट अनुबंध समाप्त कर दिया था। अगले कुछ वर्षों में उसके सभी खिलाड़ियों के वेतन में कटौती किया जाना तय है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण 100 मिलियन पौंड के शुरुआती नुकसान का अनुमान लगाया है। ऐसे में अनुबंध राशि कम कर दी गई है। ब्रॉड ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, मेरा मानना है कि वेतन में कटौती शत प्रतिशत होगी। खिलाड़ी स्थिति से अच्छी तरह से अवगत हैं। ईसीबी में संभवत: 60 कर्मचारियों को नौकरी गंवानी पड़ेगी, ऐसे में अगर खिलाड़ी पुराने वेतन पर बने रहते हैं तो यह गलत होगा। उन्होंने कहा, खिलाड़ी ऐसी स्थिति के लिए तैयार हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई खिलाड़ी वेतन में कटौती की शिकायत करेगा क्योंकि दुनिया भर में ऐसा हो रहा है।

मुंबई इंडियंस का पहला विकेट गिरा रोहित को संदीप शर्मा ने आउट किया

दुबई | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन का 17वां मैच मुंबई इंडियंस (एमआई) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच शारजाह में खेला जा रहा है। मुंबई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मुंबई के डिकॉक और सूर्यकुमार यादव क्रीज पर हैं। मैच के पहले ओवर में ही कप्तान रोहित शर्मा 6 रन बनाकर संदीप शर्मा की बॉल पर आउट हुए।

मुंबई-हैदराबाद में विदेशी खिलाड़ी

मुंबई में क्विंटन डिकॉक, कीरोन पोलार्ड, जेम्स पैटिंसन और ट्रेंट बोल्ट विदेशी खिलाड़ी हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद में कप्तान डेविड वॉर्नर के अलावा जॉनी बेयरस्टो, केन विलियम्सन और राशिद खान विदेशी खिलाड़ी हैं।

रोहित शर्मा आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले दूसरे खिलाड़ी

राहित शर्मा आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने के मामले में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। यह उनका 193वां मैच है। इससे पहले सुरेश रैना भी लीग में 193 मैच खेल चुके हैं। सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड एमएस धोनी (194) के नाम है।

वॉर्नर के नाम भी नया कीर्तिमान

सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान के तौर पर डेविड वॉर्नर का यह 50वां मैच है। वॉर्नर ने पिछले मैच चोटिल हुए हैदराबाद के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की जगह टीम में संदीप शर्मा को टीम में शामिल किया। वहीं, खलील अहमद की जगह सिद्धार्थ कौल को मैच में खेलने का मौका दिया गया है।

दोनों टीमें

मुंबई इंडियंस = रोहित शर्मा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, कीरोन पोलार्ड, हार्दिक पंड्या, कृणाल पंड्या, जेम्स पैटिंसन, राहुल चाहर, ट्रेंट बोल्ट और जसप्रीत बुमराह।

सनराइजर्स हैदराबाद = डेविड वॉर्नर (कप्तान), जॉनी बेयरस्टो (विकेटकीपर), मनीष पांडे, केन विलियम्सन, प्रियम गर्ग, अभिषेक शर्मा, अब्दुल समद, राशिद खान, संदीप शर्मा, सिद्धार्थ कौल और टी नटराजन।

मुंबई-हैदराबाद के महंगे प्लेयर्स

मुंबई में कप्तान रोहित शर्मा सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। टीम उन्हें एक सीजन का 15 करोड़ रुपए देगी। उनके बाद टीम में हार्दिक पंड्या का नंबर आता है, उन्हें सीजन के 11 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं, हैदराबाद के सबसे महंगे खिलाड़ी डेविड वॉर्नर हैं। उन्हें फ्रेंचाइजी सीजन का 12.50 करोड़ रुपए देगी। इसके बाद टीम के दूसरे महंगे खिलाड़ी मनीष पांडे (11 करोड़) हैं। पिच रिपोर्ट

शारजाह में पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। शारजाह में हुए पिछले 13 टी-20 में पहले बल्लेबाजी वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 69 प्रतिशत रहा है।

शारजाह में रिकॉर्ड

इस मैदान पर हुए कुल टी-20= 13
पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती= 9
पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती= 4

पहली पारी में टीम का औसत स्कोर= 149 दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर= 131

मुंबई ने सबसे ज्यादा 4 बार खिताब जीता

आईपीएल इतिहास में मुंबई ने सबसे ज्यादा 4 बार (2019, 2017, 2015, 2013) खिताब जीता है। पिछली बार उसने फाइनल में चेन्नई को 1 रन से हराया था। मुंबई ने अब तक 5 बार फाइनल खेला है। वहीं, हैदराबाद ने 2 बार (2009 और 2016) खिताब अपने नाम किया।

आईपीएल में मुंबई का सक्सेस रेट हैदराबाद से ज्यादा

मुंबई ने आईपीएल में अब तक 191 मैच खेले हैं। 111 में उसे जीत मिली है, जबकि 80 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। लीग में मुंबई का सक्सेस रेट 57.85त्न है। वहीं, हैदराबाद ने अब तक लीग में 112 मैच खेले हैं। 60 में उसे जीत मिली है, जबकि 52 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। लीग में हैदराबाद का सक्सेस रेट 53.57त्न है।

राजस्थान रॉयल्स को जल्द मिल सकता है इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स का साथ

नईदिल्ली एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स आईपीएल के 13 वें सीजन में जल्द वापसी कर सकते हैं। बेन स्टोक्स न्यूजीलैंड से यूएई के लिए उड़ान भर चुके हैं और रविवार को यूएई में लैंड करेंगे। राजस्थान के ट्विटर हैंडल से बेन स्टोक्स की एक तस्वीर साझा की गई है, जिसमें स्टोक्स फ्लाइट में बैठे नजर आ रहे हैं। इससे पहले बेन स्टोक्स ने खुद अपनी फैमिली के साथ एक तस्वीर शेयर की थी और लिखा था कि फैमिली को अलविदा कहना हर बार आसान नहीं होता। दुबई पहुंचने के बाद बेन स्टोक्स 6 दिनों के लिए क्वारैंटाइन रहेंगे और कोरोना को लेकर दी गई गाइडलाइन का पालन करेंगे। इस दौरान उनका कोरोना टेस्ट होगा और अगर उन्हें निगेटिव पाया जाता है तभी उन्हें बायो-सिक्योर बबल में डाला जाएगा। बेन स्टोक्स 14 अक्टूबर को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में,

प्री-क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली सउदी अरब की पहली महिला खिलाड़ी बनीं ओंस जबेउर

अबुधाबी , एजेंसी। ट्यूनिशिया की वर्ल्ड नंबर-28 टेनिस प्लेयर ओंस जबेउर फ्रेंच ओपन के प्री-क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई हैं। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाली सउदी अरब की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने अपने थर्ड राउंड में बेलारूस की 8वीं सीड अरिना सबलेंका को 7-6 2-6 6-3 से हराया। 2017 में इसी टूर्नामेंट में सबलेंका ने ही जबेउर को थर्ड राउंड में शिकस्त दी थी।

6 साल के करियर में जबेउर 14वीं बार कोई ग्रैंड स्लैम खेल रही हैं। अब तक वे कोई ग्रैंड स्लैम नहीं जीत सकीं। इस दौरान वे सिर्फ एक ही बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टरफाइनल तक पहुंच सकी हैं। यह मौका उन्हें इसी साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिला था। जबेउर 2011 में फ्रेंच ओपन का जूनियर खिताब जीत चुकीं हैं। जीते हुए मैच को फाउल की वजह से हारीं सबलेंका

पहले सेट 6-6 पॉइंट की बराबरी के कारण टाई ब्रेक में पहुंचा। इसमें सबलेंका 5-1 से लीड पर थीं, लेकिन उन्होंने लगातार फाउल किए, जिस वजह से जबेउर को फायदा मिला और वे पहला सेट जीतने में सफल रहीं। सबलेंका ने वापसी करते हुए दूसरा सेट 6-2 से जीत लिया, लेकिन तीसरे सेट में उन्हें जबेउर के हाथों 6-3 से करारी शिकस्त मिली। दोनों के बीच यह मुकाबला 4 घंटे 7 मिनट तक चला।

2011 में फ्रेंच ओपन का जूनियर खिताब जीत चुकीं जबेउर

जबुउर ने कहा, ''वे (सबलेंका) काफी एग्रेसिव प्लेयर हैं, लेकिन मैंने भी कई सारे स्लाइसेज, ड्रॉप शॉट और मिक्स-अप खेलने पड़े। मैं जानती थी कि इससे उसे काफी परेशानी होगी। मैं आज अपने खेल से बहुत खुश हूं।'' वहीं, सबलेंका ने कहा, ''पहले भी कई मैचों में मैंने बहुत जल्दी हार मान ली है। आज भी वही हुआ। टाई ब्रेक में मेरे पार एक अच्छा मौका था, लेकिन शायद मैंने हार मान ली।''

सीजन का सबसे बड़ा 229 रन का टारगेट देकर जीती दिल्ली कैपिटल्स, पॉइंट टेबल में टॉप पर पहुंची

शारजाह एजेंसी। आईपीएल के 13वें सीजन के 16वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स (DC) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को 18 रन से हरा दिया। शारजाह में खेले गए मैच में दिल्ली ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इस सीजन का सबसे बड़ा 229 रन का टारगेट दिया था। इसके जवाब में केकेआर 8 विकेट गंवाकर 210 रन ही बना सकी। केकेआर की यह दूसरी हार है। इस जीत के साथ दिल्ली पॉइंट टेबल में टॉप पर पहुंच गई। 88 रन की पारी खेलने वाले दिल्ली के कप्तान श्रेयस अय्यर मैन ऑफ द मैच चुने गए। कोलकाता के लिए नीतीश राणा ने 58, इयोन मोर्गन ने 44, राहुल त्रिपाठी ने 36 और शुभमन गिल ने 28 रन की पारी खेली। मोर्गन और त्रिपाठी ने 7वें विकेट के लिए 31 बॉल पर 78 रन की पार्टनरशिप की, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। वहीं दिल्ली की ओर से एनरिच नोर्तजे ने 3 और हर्षल पटेल ने 2 विकेट लिए। हर्षल का इस सीजन में यह पहला मैच है। दिल्ली ने 4 विकेट पर 228 रन बनाए। टीम के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर ने 88, पृथ्वी शॉ ने 66 और ऋषभ पंत ने 38 रन की पारी खेली। आईपीएल में पृथ्वी ने छठवीं और श्रेयस ने 14वीं फिफ्टी लगाई। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 73 रन की पार्टनरशिप हुई थी। कोलकाता के लिए आंद्रे रसेल ने 2 विकेट लिए, जबकि वरुण चक्रवर्तीऔर कमलेश नागरकोटी को 1-1 विकेट मिला।

सीजन में पहली बार पावर प्ले में सबसे ज्यादा रन बने

इससे पहले पृथ्वी और शिखर धवन के बीच 56 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप हुई। दिल्ली ने इस सीजन में पावर प्ले में 5वा सबसे बड़ा स्कोर 1 विकेट खोकर 57 रन बनाए। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ सबसे ज्यादा 69 रन और फिर उसी मैच में पंजाब ने राजस्थान के खिलाफ 60 रन बनाए थे। सबसे महंगे और सस्ते खिलाड़ियों का परफॉर्मेंस

दिल्ली में ऋषभ पंत 15 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर रहे। उन्होंने 17 बॉल पर 38 रन बनाए। हर्षल पटेल (20 लाख रु.) प्लेइंग इलेवन में सबसे सस्ते प्लेयर रहे। बल्लेबाजी में उनको मौका नहीं मिला। गेंदबाजी में उन्होंने 4 ओवर में 34 रन देकर 2 विकेट लिए।

वहीं, कोलकाता के सबसे महंगे खिलाड़ी पैट कमिंस रहे। उन्हें सीजन के 15.50 करोड़ रुपए मिलेंगे। कमिंस ने 4 ओवर में 49 रन लुटाए और एक भी विकेट नहीं ले सके। प्लेइंग इलेवन में राहुल त्रिपाठी (60 लाख रु.) सबसे सस्ते खिलाड़ी रहे। उन्होंने 16 बॉल पर 36 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 3 चौके और 3 छक्के लगाए।

केकेआर में एक और दिल्ली टीम में दो बदलाव

मैच के लिए कोलकाता टीम में एक बदलाव किया गया। स्पिनर कुलदीप यादव की जगह राहुल त्रिपाठी को मौका मिला। वहीं, दिल्ली टीम में कप्तान श्रेयस ने दो बदलाव किए।

गौतम गंभीर की सलाह, इयोन मोर्गन-आंद्रे रसेल के बाद बैटिंग करने उतरे दिनेश कार्तिक

कोलकाता, एजेंसी।

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दो बार खिताब दिलाने वाले पूर्व कप्तान गौतम गंभीर का मानना है कि इस फ्रेंचाइजी टीम के वर्तमान कप्तान दिनेश कार्तिक को इयोन मोर्गन और आंद्रे रसेल के बाद बल्लेबाजी के लिए उतरना चाहिए। गंभीर ने इसके साथ ही कहा कि सुनील नारायण से पारी की शुरुआत कराने की बजाय उन्हें बल्लेबाजी क्रम में नीचे उतारना चाहिए। कार्तिक की मुंबई इंडियन्स के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 23 गेंदों पर 30 रन की पारी को छोड़ दें तो अभी तक वह बल्लेबाजी में खास योगदान नहीं दे पाए हैं जबकि वह मोर्गन से पहले बल्लेबाजी के लिए उतरे।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में पांचवें नंबर पर उतरकर उन्होंने केवल पांच रन बनाए जबकि मोर्गन (18 गेंदों पर 44) और राहुल त्रिपाठी (16 गेंदों पर 36) क्रमश: छठे और आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए। गंभीर ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कह कि राहुल त्रिपाठी को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आना चाहिए। दिनेश कार्तिक को मोर्गन और रसेल के बाद छठे नंबर पर उतरना चाहिए। सुनील नारायण को आठवें या नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। अगर मोर्गन चौथे और रसेल पांचवें नंबर पर आते हैं तो दिनेश कार्तिक उनके बाद क्रीज पर उतर सकते हैं। इस पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज को लगता है कि कार्तिक का स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को 19वां ओवर सौंपना सही फैसला नहीं था। इस ओवर में 20 रन गए थे।

युवराज सिंह ने मजेदार लाइन लिख ऋषभ पंत को ऐसे दी जन्मदिन की बधाई

उन्होंने कहा कि आपके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों को 18वां, 19वां और 20वां ओवर करना चाहिए, दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। पैट कमिन्स से इन ओवरों में गेंदबाजी करवानी चाहिए। अगर स्पिनर से करानी है तो सुनील नारायण है। यहां तक कि शिवम मावी को आजमाया जा सकता है जिन्होंने पिछले मैचों में अच्छी गेंदबाजी की। आंद्रे रसेल यह भूमिका निभा सकता है। आपको अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज को गेंद सौंपनी चाहिए। गंभीर ने कहा कि हां वरुण चक्रवर्ती ने पहले कुछ ओवर अच्छे किए थे लेकिन आप एक युवा स्पिनर से 19वें ओवर में अच्छे परिणाम की उम्मीद नहीं कर सकते और वह भी शारजाह में। संभवत: यह गलत आकलन था।

शारजाह में लगातार तीसरे मैच में 200 से ज्यादा स्कोर बना आईपीएल के 13वें सीजन में युवा खिलाड़ियों का कमाल देखने को मिल रहा है। शनिवार को लीग के पहले डबल हेडर में दिल्ली कैपिटल्स ने सीजन का सबसे बड़ा 228 रन का स्कोर बनाया। वहीं, बेंगलुरु के देवदा पडिक्कल और राजस्थान के महिपाल लोरमोर ने अपने खेल से सभी को प्रभावित किया।

अपनी बैटिंग पर श्रेयस बोले- मैं गिफ्टेड प्लेयर नहीं, मेहनत बहुत की

अबुधामी | एजेंसी।

आईपीएल- 13 के 15वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 8 विकेट से हरा दिया। राजस्थान की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 155 रन बनाए। जवाब में बेंगलुरु ने 19.1 ओवर में ही 2 विकेट के नुकसान पर 158 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

अबु धाबी में राहुल तेवतिया ने तीन छक्के लगाए

राजस्थान की ओर से राहुल तेवतिया ने 12 बॉल में 24 रन बनाए। इसमें तीन छक्के शामिल थे। तेवतिया ने इससे पहले पंजाब किंग्स इलेवन के खिलाफ शारजाह में एक ओवर में पांच छक्के लगाए थे। इस मैच में उन्होंने 53 रन बनाए थे।

सहवाग ने क्या कहा

वीरेंद्र सहवाग ने तेवतिया की बल्लेबाजी की तारीफ की। कहा- सिर्फ शारजाह ही क्यों, उन्होंने अबु धाबी में शानदार बैटिंग की। आज तीन छक्के लगाने के बाद तेवतिया के बारे में कहा जा सकता है- तबादलों से इलाके बदलते हैं, इरादे नहीं। शनिवार रात खेले गए दूसरे मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 18 रन से हरा दिया। दिल्ली ने पहले बैटिंग करते हुए 228 रन बनाए। केकेआर को इस सीजन के सबसे बड़े टारगेट का सामना करना था। केकेआर 8 विकेट पर 210 रन ही बना सकी। दिल्ली के कप्तान श्रेयस अय्यर मैन ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने 38 बॉल पर 88 रन बनाए। जिसमें 6 छक्के और 7 चौके शामिल हैं।

अय्यर ने कहा- यह एक और करीबी जीत

कोलकाता के खिलाफ जीत के बाद श्रेयस अय्यर ने कहा- मैं हार्ड और स्मार्ट वर्क का मतलब समझता हूं। मैं गिफ्टेड प्लेयर नहीं हूं। टीम के लिए ये जरूरी था कि मैं शुरुआत में कुछ वक्त विकेट पर बिताऊं। इसके बाद स्ट्राइक रोटेट करता रहूं। हम इसमें कामयाब भी रहे। हम अकसर करीबी मुकाबलों में जीत की बात करते हैं, ये भी उनमें से एक है। जिस तरह का हमारी टीम ने प्रदर्शन किया, उससे मैं संतुष्ट हूं।

दिनेश कार्तिक ने कहा-10 से 13 ओवर के बीच बाउंड्री नहीं लगा सके

केकेआर के कप्तान दिनेश कार्तिक ने कहा- 10 से 13 ओवर के बीच हमने कुछ विकेट खोए। बाउंड्री भी नहीं लगा सके। ईमानदारी से कहूं तो अगर एक-दो छक्के और लगते तो हम यह स्कोर चेज कर सकते थे।

आईपीएल में बड़े स्कोर के बाद भी गेंदबाजों की अहमियत कम नहीं हुई

दुबई , एजेंसी। ईपीएल के दूसरे हफ्ते में सबसे ज्यादा चर्चा अंतिम ओवरों में बल्लेबाजों द्वारा बड़ी हिटिंग की रही। बतौर टॉप ऑर्डर रोहित, राहुल और सैमसन ने जबकि फिनिशर के तौर पर हार्दिक और पोलार्ड ने मैदान के चारों ओर छक्के लगाए। वहीं, तेवतिया ने शेल्डन कॉट्रेल के एक ओवर में पांच छक्के लगाकर ना केवल टीम को जीत दिलाई बल्कि 224 रन का विशाल लक्ष्य भी हासिल किया। सपाट पिच, तेज आउटफील्ड और छोटे मैदान के कारण मैच में 200 से अधिक का स्कोर देखने को मिला। दो सुपर ओवर भी हुए। इसके बाद भी गेंदबाज असंगत साबित नहीं हुए हैं। तेज गेंदबाज शमी, रबाडा, कमिंस और स्पिनर राशिद-चहल ने शानदार गेंदबाजी की है। हमारे बड़े खिलाड़ियों के प्रदर्शन की बात की जाए तो अभी यह मिश्रित रहा है। पहला मैच हारने के बाद रोहित ने अच्छा फॉर्म दिखाया और टीम को टॉप पर पहुंचाया। धोनी ने हैदराबाद के खिलाफ पारी से दिखाया है कि वे अभी भी बल्ले से जीत दिला सकते हैं। हालांकि टीम आखिरी नंबर पर है। पिछले हफ्ते का सबसे बड़ा आकर्षण युवा खिलाड़ियों का अच्छा प्रदर्शन रहा। चेन्नई और हैदराबाद के खिलाफ वॉर्नर और राशिद ने बड़ी भूमिका निभाई। लेकिन 19 साल के प्रियम गर्ग और 20 साल के अभिषेक शर्मा ने बड़ी साझेदारी करके चीजों को बदल दिया। इसके अलावा युवा गेंदबाज नटराजन, खलील और समद ने भी अच्छी भूमिका निभाई। कोलकाता ने मावी, नागरकोटी, शुभमन और वरुण चक्रवर्ती पर विश्वास दिखाया था। ये सभी 20 की उम्र के आस-पास हैं और इन्होंने रिटर्न देना शुरू कर दिया है। राहुल चाहर और बिश्नोई को भले ही अधिक विकेट नहीं मिले हों लेकिन उनका प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। हालांकि आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों को टीम इंडिया में जगह नहीं मिलती है।

लेकिन फिर भी यह खुद को साबित करने का अच्छा मंच है।

विजय देवरकोंडा अभिषेक कपूर की बालाकोट एयर स्ट्राइक फिल्म में विंग कमांडर अभिनंदन का निभाएंगे किरदार

बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर अभिषेक कपूर ने इस बात का ऐलान किया था कि वो साल 2019 में हुए बालाकोट एयर स्ट्राइक पर आधारित एक फिल्म का निमार्ण करना चाहते है। जिसके लिए उनको संजय लीला भंसाली और भूषण कुमार का सहयोग मिल रहा है। तो पिछले काफी समय से अभिषेक कपूर अपनी इस अगली फिल्म की तैयारी में लगे हुए थे। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बालाकोट पर एयर स्ट्राइक पिछले साल 2019 को हुई थी जो 14 फरवरी को पुलवामा में हुए हमले में शहीद हुए देश के 40 जवानों का बदला लिया गया था। पुलवामा में हुए हमले के बाद 6 फरवरी की सुबह भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने बालाकोट एयर स्ट्राइक' करने का फैसल किया था। उस वक्त पाकिस्तान के जैश-ए-मोहम्मद टेररिस्ट कैंप को ध्वस्त किया था। इसके बाद ही अभिषेक कपूर ने इस पर आधारित एक फिल्म का निर्माण करने की तैयारी भी शुरू कर दी थी। अब आई खबरों में ऐसा कहा जा रहा है कि अभिषेक कपूर की बालाकोट एयर स्ट्राइक पर बनने वाली इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा मुख्य किरदार में नजर आ सकते है। अगर ऐसा हुआ तो विजय की ये बॉलीवुड डेब्यू फिल्म होगी। इस फिल्म में विजय विंग कमांडर और नेशनल हीरो अभिनंदन वर्थमान के किरदार में नजर आने वाले है। जिनको 60 घंटो तक पाकिस्तान ने बंदी बनाकर रखा था। खबरों के अनुसार विजय को फिल्म की कहानी काफी पसंद आई और वो इसको करने के लिए तैयार है। लेकिन अब तक अभिनेता ने फिल्म को साइन नहीं किया है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अभिषेक कपूर ने अब तक इस फिल्म में विजय को लेकर ऐलान नहीं किया है।

साउथ के इस मशहूर निर्देशक की अगली फिल्म में नजर आएंगे शाहरूख खान डबल होगा रोल

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता शाहरुख खान को पिछले काफी समय से उनके चाहने वालों ने किसी फिल्म में देखा है। जिसकी वजह से अब शाहरूख खान के फैंस उनको सिल्वर स्क्रीन पर देखना चाहते है। हालाकि अब शाहरुख खान अपने फैंस की ये इच्छा कब पूरी करेंगे इसके बारे में कोई भी जानकार सामने नहीं आई है। दो साल हो गए है शाहरुख खान ने किसी भी फिल्म को अब तक साइन नहीं किया है। लेकिन अब जो खबरे सामने आ रही है वो अभिनेता के चाहने वालों को खुश कर देगी। जी हां आपको बता दें कि शाहरुख खान ने आने वाले दिनों के लिए तीन फिल्मों को लॉक किया है। शाहरुख खान तीन फिल्मों के साथ सिल्वर स्क्रीन पर धमाका करने के लिए तैयार है। हालांकि उनकी इन तीनों ही फिल्मों का आधिकारिक तौर पर ऐलान अब तक नहीं किया गया है। शाहरुख खान को लेकर खबरें सामने आ रही है कि वो जल्द ही साउथ फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर डायरेक्टर अत्ली कुमार की अगली फिल्म में नजर आ सकते है। जो उनकी एक कमर्शियल पॉट बायलर होगी। खबरों के अनुसार शाहरुख खान और अत्ली कुमार अपनी इस फिल्म पर पिछले दो सालों से लगातार काम कर रहे है। अत्ली ने अभिनेता को फिल्म की कहानी के बारे में बताया था तो शाहरुख खान इसको करने के इच्छु थे। हालांकि अब इसमे वो कई बदलाव के साथ काम करना चाहते है।

अत्ली कुमार की फिल्म में शाहरुख खान डबल रोल में नजर आएंगे। जिसमे वो एक टॉप इंडियन एजेंसी के एक इन्वेस्टिगेटिव ऑफिसर और क्रिमिनल की भूमिका निभाएंगे। हालांकि इन खबरों में कितनी सच्चाई है इसके बारे में साफ तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है लेकिन शाहरूख खान का नाम कई फिल्मों के साथ लगातार जोड़ा जा रहा है।

अपनी फिल्म केजीएफ 2 के लिए यश ने शुरू की खास तैयारी, लुक पर दे रहे खास ध्यान

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता यश पिछले काफी समय से अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में बने हुए है। उनकी अगली फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 है। जिसकी शूटिंग वो काफी समय से कर रहे है। फिल्म की शूटिंग काफी समय पहले ही पूरी हो जाती अगर देश में कोरोना वायरस का कहर नहीं टूटा होता। लॉकडाउन और कोरोनावायरस की वजह से काफी समय तक फिल्म का काम रूका हुआ था। हालांकि अब ये फिर से ट्रैक पर आ चुका है। फिल्म की शूटिंग पर काफी लंबा ब्रेक लग गया था। जब स्थिति दोबारा पटरी पर लौटने की कोशिश में है तब इस फिलम के निर्माताओं ने भी शूटिंग की प्लानिंग शुरू कर दी है। जी हां आपको बता दें कि फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। जिसके लिए अभिनेता यश काफी ज्यादा उत्साहित नजर आ रहे हैं। यश ने अपनी इस फिल्म की तैयारियां भी शुरू कर दी है।

अब आई ताजा खबरों के अनुसार ऐसा कहा जा रहा है कि केजीएफ चैप्टर 2 फिल्म के लिए यश अपने आपको परफेक्ट शेप में दिखाने की पूरी कोशिश में लग गए है। इसके लिए उन्होंने ट्रेनिंग भी शुरू कर दी है। जिससे वो अपने लुक और किरदार को दमदार बना सके। अभिनेता ने अपनी फिटनेस पर पूरा ध्यान देना शुरू कर दिया है। इसके लिए वो अच्दी और हार्डकोर फिटनेस ट्रेनिंग लेनी शुरू कर दी है। आई खबरों के अनुसार अभिनेता यश ने 25 दिनों से पहले अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। केजीएफ चैप्टर 2 काफी ज्यादा उत्साहित है। अगर हम बात करें फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 की तो इसमे यश के अलावा बॉलीवुड के दो दिग्गज कलाकार संजय दत्त और रवीना टंडन नजर आने वाली है। इन दोनों का ही फिल्म में अहम किरदार होने वाला है। जिसकी वजह से ये कहा जा सकता है कि इस बार फिल्म और भी ज्यादा धमाका करने वाली है।

अक्षय की फिल्म लक्ष्मी बॉम्ब ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूएई में होगी रीलीज

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म लक्ष्मी बॉम्ब 9 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और यूएई में रिलीज होगी। फिल्म के सदस्य तुषार कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा किया। उन्होंने लिखा, इस दिवाली लक्ष्मी बॉम्ब 9 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और यूएई में रिलीज होगी। उन्होंने आगे लिखा, लक्ष्मी बॉम्ब भारत में डीज्नी प्लस हॉटस्टार वीआईपी पर प्रीमियर होगा, वहीं यूएसए, यूके और कनाडा में 9 नवंबर को हॉटस्टार पर रीलीज होगा। फिल्म तमिल ब्लॉकबस्टर मुनि 2 = कंचना का रीमेक है। फिल्म में कियारा आडवाणी, तुषार कपूर, शरद केलकर और अश्विनी केलकर ने भी अभिनय किया है।

वजन घटाने के बाद अब बेबी डॉल बनने की तैयारी में हैं शहनाज गिल

टीवी की दुनिया में जहां इन दिनों बिग बॉस 14 की सुगबुगाहट तेज हो गई है, वहीं बिग बॉस 13 फेम शहनाज गिल भी चर्चा में है। शहनाज ने अपने ट्रांसफॉर्मेशन से सभी को चौंका दिया है। बिना एक्सरसाइज किए 6 महीनों में शहनाज ने अपना 12 किलो वजन कम कर लिया है। किसी दौर में बॉडी शेमिंग का शिकार हो चुकीं शहनाज ने आलोचकों की बोलती बंद कर दी है, वहीं अब वह कुछ नया ट्राय करने के मूड में है।

शहनाज गिल बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया खासकर इंस्टाग्राम पर खाकी ऐक्टिव हो गई हैं। वह कमोबेश हर दिन अपनी तस्वीरें या तो पोस्ट कर रही हैं या इंस्टा स्टोरी पर शेयर कर रही हैं। खबर है कि वजन कम करने के बाद अब शहनाज अपने स्टाइल पर काम करने वाली हैं। जी हां, वह अब बेबी से बेब बनने की तैयारी में है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, शहनाज गिल ने अपने स्टाइलिस्ट से संपर्क किया है और साफ शब्दों में कहा है कि वह ग्लैमरस अवतार चाहती हैं। ट्रांसफॉर्मेशन के बाद शहनाज पर्दे पर कमबैक करना चाहती हैं। हालांकि, बिग बॉस के घर से बाहर निकलने के बाद और लॉकडाउन के दौरान भी शहनाज के म्यूजिक वीडियोज रिलीज हुए हैं, लेकिन बताया जाता है कि वह अब बड़ी तैयारी में हैं।

शहनाज ने कहा था कि कुछ लोगों ने उनके बढ़े हुए वजन का मजाक बनाया था। बिग बॉस के घर में भी ऐसा हुआ था। इसलिए उन्होंने तय किया कि ऐसे लोगों को यह दिखाना जरूरी है कि वह भी पतली हो सकती हैं। शहनाज कहती हैं कि वजन कम करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

खेसारी लाल यादव के गाने मलगजरी रे मचाई धूम

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव को लोग खूब पसंद करते हैं. उनके गाने रिलीज होते ही वायरल हो जाते हैं और दर्शकों की जुबान पर चढ़ जाते हैं. खेसारी लाल यादव का हर भोजपुरी सॉन्ग मिलियन में व्यूज लेकर आता है. सारी लाल यादव का एक थ्रोबैक भोजपुरी सॉन्ग सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. इस गाने में उनका रोमांटिक अंदाज देखने को मिल रहा है. खेसारी लाल यादव के भोजपुरी सॉन्ग का नाम मलगजरी रे हैं. गाने में खेसारी की जोड़ी प्रियंका सिंह के साथ जम रही है. गाने की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसे अभी तक 1 करोड़ 18 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है. यह गाना फिल्म राजा जानी का है, जिसे वेभ म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किया गया है. गाने के बोल आजाद सिंह ने लिखे हैं, जबकि म्यूजिक धनंजय मिश्रा का है. खेसारी लाल यादव भारत के प्रसिद्ध भोजपुरी गायक और अभिनेता हैं. खेसारी को पहली सफलता अपने भोजपुरी एल्बम माल भेटाई मेला से मिली थी. 2012 में आई अपनी पहली फिल्म साजन चले ससुराल से वो रातो रात भोजपुरी फिल्म जगत के सितारे बन गए. अपनी गायकी में वे अपनी ठेठ देहाती भाषा का उपयोग करते हैं. शुरू से ही खेसारी लाल लोक गायक और साथ ही वो एक अच्छे डांसर भी हैं. शुरुआत में उन्हें बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा लेकिन आज वो भोजपुरी के सबसे सितारों में से एक हैं.

Bigg Boss 14 की टीआरपी पर बॉलीवुड एक्टर का तंज

बिग बॉस का 14वां सीजन शुरू हो चुका है. शनिवार को बिग बॉस का धमाकेदार प्रीमियर हुआ था. इस दौरान जबरदस्त डांस परफॉर्मेंस और कंटेस्टेंट्स के बीच थोड़ी नोकझोंक देखने को मिली. हालांकि, इस बार शो की टीआरपी पर काफी असर पड़ा. लोगों ने ट्विटर पर बायकॉट बिग बॉस का ट्रेंड भी चलाया. अब इस पर बॉलीवुड एक्टर कमाल आर खान का रिएक्शन आया है. दरअसल, हाल ही में कमाल आर खान ने एक ट्वीट किया है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. कमाल आर खान ने ट्वीट करते हुए कहा, लोगों ने बिग बॉस 14 को बायकॉट करके इतिहास रच दिया है. शो के ओपनिंग एपिसोड को अब तक की सबसे कम टीआरपी मिली है. बधाई हो. कमाल आर खान का यह ट्वीट खूब वायरल हो रहा है और लोग इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे है

फराह ख़ान के साथ शूटिंग करती दिखीं कियारा आडवाणी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी इन दिनों अपने करियर का शानदार दौर एंजॉय कर रही हैं। शाहिद कपूर की फ़िल्म कबीर सिंह के बेतहाशा कामायबी के बाद कियारा का करियर रफ़्तार से दौड़ रहा है। ऐसे में वो लीक फोटो में कोरियोग्राफर से डायरेक्टर बनीं फराह ख़ान के साथ दिख रही हैं।

इस फोटो के बारे में अधिक जानकारी नहीं है, मगर ऐसा लगता है कि कियारा किसी शूट के बाद शॉट चेक कर रही हैं। तस्वीर में जाने-माने फोटोग्राफर अविनाश गोवारिकर भी नज़र आ रहे हैं। इन दोनों के बाद कियारा का कोई प्रोजेक्ट है। वैसे कियारा के करियर की बात करें तो उनकी फ़िल्म इंदु की जवानी रिलीज़ के लिए तैयार है। इस फ़िल्म को लेकर ख़बर आयी थी कि अनलॉक 5 में सिनेमाघर खुल जाने के कारण फ़िल्म थिएटर्स में रिलीज़ हो सकती है। अबीर सेनगुप्ता निर्देशित फ़िल्म में कियारा का किरदार काफ़ी दिलचस्प है। वो गाज़ियाबाद की एक लड़की के किरदार में हैं, जो डेटिंग ऐप के ज़रिए प्यार तलाशने निकली है। फ़िल्म में आदित्य सील भी हैं। इसके अलावा कियारा अक्षय कुमार के साथ लक्ष्मी बम में नज़र आने वाली हैं, जो दिवाली के मौक़े पर 9 नवम्बर को डिज़्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज़ की जाएगी। यह फ़िल्म ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड और यूएई में सिनेमाघरों में भी रिलीज़ हो रही है। अनीस बज़्मी निर्देशित भूल भुलैया 2 में कियारा कार्तिक आर्यन के साथ फीमेल लीड रोल में हैं। परमवीर चक्र विजेता कारगिल वॉर हीरो कैप्टन विक्रम बत्रा की बायोपिक शेरशाह में कियारा फीमेल लीड रोल में हैं। विष्णुवर्धन निर्देशित फ़िल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा विक्रम बत्रा के किरदार में हैं। पिछले साल कियारा अक्षय कुमार के साथ गुड न्यूज़ में नज़र आयी थीं। हालांकि उनकी पेयरिंग दिलजीत दोसांझ के साथ थी।

एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं रिचा चड्ढा

रिचा चड्ढा अकसर अपनी खास अंदाज और बेबाक बोल के लिए जानी जाती है. एक बार फिर से रिचा ने ऐसा कुछ किया है जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर वह सुर्खियां बटोर रही हैं. दरअसल बात यह है कि रिचा को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया. फोटो जर्नलिस्ट उन्हें देखते ही उनकी फोटो कैप्चर करने लगे लेकिन रिचा भी किसी से कम थोड़ी हैं जैसे ही उन्होंने कैमरा देखा अपनी टी- शर्ट के तरफ दिखाते हुए पोज देने लगी. और रिचा की टी-शर्ट पर बाबा साहेब अंबेदकर की फोटो बनी थी. रिचा की यह फोटो सोशल मीडिया पर काफी तेजीसे वायरल हो रही है और फैंस उनके इस वीडियो पर खूब कमेंट भी कर रहे हैं. रिचा चड्ढा का यह अंदाज लोगों को काफी पसंद आ रहा है. अभी हाल ही में रिचा ने योगी आदित्यनाथ के ऊपर कमेंट किया था जिसकी वजह से वह खासा सुर्खियां बटोर रहीं थी. 2 अक्टूबर के दिन योगी आदित्यनाथ का एक वीडियो सामने आया था जिसमें वह हजरतगंज स्थित क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम में चरखा चला रहें थे तो इस पर रिचा ने कमेंट करते हुए लिखा- याद आएंगे तो गांधी ही. इसके साथ ही उन्होंने लिखा कि कितने भी ट्रेंड तुम खरीदो, जिस पैसे से खरीदोगे, उसपर गांधी की ही तस्वीर होगी. रिचा चड्ढा बॉलीवुड की शानदार एक्ट्रेस में से एक हैं गैंग्स ऑफ वासेपुर और फुकरे जैसी फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग का लोहा पहले मनवा चुकी हैं. सिर्फ इतना ही नहीं रिचा चड्ढा, एक्टर अली फजल के साथ अपनी रिलेशनशिप को लेकर भी खासा सुर्खियों में रहती हैं. मीडिया रिपोर्ट की मानें तो दोनों जल्द ही शादी कर सकते हैं.

सलमान खान के सामने राहुल वैद्य ने बोला झूठ

बिग बॉस 14 का धमाकेदार सफर शुरू हो चुका है। बीत दिन ही इस टीवी रियल्टी शो का प्रीमियर हुआ और घर में कुल 11 सदस्यों की एंट्री हुई। इस बार दिलचस्प ये है कि घर में एक नहीं बल्कि 3-3 सिंगर्स की एंट्री हुई है। तो वहीं, ग्लैमर वर्ल्ड के कई नामी सितारे इस शो का हिस्सा बने हैं। इन कंटेस्टेंट्स में से एक हैं राहुल वैद्य जो कई रियल्टी शोज जीत चुके हैं और संगीत की दुनिया में अपने नाम के झंडे गाढ़ रहे हैं। बीते दिन प्रीमियर के दौरान सलमान खान के साथ बातचीत में राहुल वैद्य ने बताया कि वो अभी तक सिंगल हैं। इसके बाद कई लोगों की आंखे चढ़ गई। दरअसल, बीते वक्त में राहुल वैद्य और टीवी अदाकारा दिशा परमार के अफेयर की खबरें खासा सुर्खियां बन चुकी है। जिसके बाद से राहुल वैद्य का ये कहना कि वो अभी सिंगल हैं कई लोगों को डाइजेस्ट नहीं हुआ। इसकी वजह ये है कि राहुल वैद्य और दिशा परमार की सामने आई थी जिसमें दोनों साथ में हैंगआउट करते दिख रहे थे। हालांकि इससे पहले भी राहुल वैद्य दिशा परमार के साथ रिश्ते की खबरों पर ये बात साफ कर चुके हैं कि वो उनकी महज एक अच्छी दोस्त है। बता दें कि दिशा परमार टीवी सीरियल प्यार का दर्द है से रातों-रात मशहूर हो गई थी और टीवी की दुनिया का बड़ा नाम हैं। राहुल वैद्य ने ईटाइम्स के साथ बातचीत के दौरान भी इन रिपोर्ट्स पर कहा था, 'दिशा एक बहुत अच्छी दोस्त है। मेरी बहुत सारी फीमेल फ्रैंड्स भी हैं जिनके साथ मैं डिनर पर जाता हूं। लेकिन क्या है कि दिशा एक नामी नाम है जिसकी वजह से हमें लिंक कर दिया जाता है। मैं दूसरी दोस्तों के साथ भी फोटोज डालता हूं लेकिन वो उतनी फेमस नहीं हैं तो ऐसी खबरें नहीं बनती। लेकिन जब भी मैं दिशा के साथ अपनी तस्वीर डालता हूं तो लिंकअप की खबरें बनने लगती हैं। इसके अलावा दिशा परमार के साथ मैंने म्यूजिक वीडियो भी किया है।' अब राहुल वैद्य ने सलमान खान के सामने भी कह दिया है कि वो सिंगल हैं। यानी एक बार फिर राहुल वैद्य ने साफ कर दिया है कि वो अदाकारा के साथ रिश्ते में नहीं हैं।

पिता इरफान की अनदेखी तस्वीर शेयर

कर बाबिल ने लिखा इमोशनल नोट

बॉलिवुड के सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में से एक इरफान का निधन हुए काफी वक्त बीत चुका है लेकिन फिर भी वह फैमिली और फैन्स के दिलों में जिंदा हैं। इरफान की पत्नी सुतापा और बेटे बाबिल अक्सर उन्हें याद करते हुए इमोशनल पोस्ट लिखते हैं। बाबिल ने हाल में इरफान की एक बिल्कुल अनदेखी तस्वीर के साथ दिल जीत लेने वाली पोस्ट इंस्टाग्राम पर शेयर की है। अपने पिता को याद करते हुए बाबिल ने लिखा, मौत उन लोगों के लिए कष्टदायक होती है जो आपके दिल के सबसे प्रिय हों लेकिन आपने मुझे सिखाया कि मौत केवल एक शुरुआत है। इसलिए मैं यहां अपने मन में आपकी लाइफ को सेलिब्रेट कर रहा हूं, जो दिव्य तीखे और मीठे जैसी है। मैं द बीटल्स के गाने सुन रहा था लेकिन आपने मुझे द डोर्स का जुनून चढ़ा दिया और हम साथ में गाया करते थे। मैं अभी भी वो गाने गाता हूं और तब आपको महसूस करता हूं।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।